

न्यूज

डायरी

आज की मैट्रिक इंटर की परीक्षाएं स्थगित

रांची। राज्य भर में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जेक) की ओर से ली जा रही मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुक्रवार को स्थगित रहेंगी। राज्य सरकार ने मुस्लिम समुदाय के त्योहार शब ए बरारात पर होनेवाले अवकाश के चलते इन परीक्षाओं को स्थगित किया है। अवकाश को लेकर उपर्युक्त दोनों परीक्षाओं में लिये जाने वाले पेपर की परीक्षा अगली तिथि चार मार्च को होगी। अवकाश को लेकर कार्मिक विभाग ने गुरुवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

वक्फ की जमीन पर नजर : महुआ माजी

रांची। राज्यसभा में हंगामे के बीच झारखंड से झामुमो सांसद महुआ माजी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के जरिये सरकार की नजर वक्फ की भूमि पर है। जेपीसी पक्षपातपूर्ण रही है। आज सरकार की नजर वक्फ की जमीन पर है, कल वे दूसरे धर्मों की संपत्ति हड़प लेंगे।

सीएम के इस्तीफे के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन

मणिपुर। गुरुवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफा दिए हुए चार दिन बीत चुके े। राज्य में राजनीतिक हालात अनिश्चित बनी हुई थी। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से अब तक नये नेता के बारे में फैसला नहीं किया है। ऐसे में गुरुवार को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है।

संसद के बजट सत्र का पहला चरण संपन्न

नयी दिल्ली। बजट सत्र के प्रथम चरण के पूरा होने के बाद गुरुवार को दोनों सदनों की कार्यवाही 10 मार्च तक के लिये स्थगित कर दी गयी। अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा कि बजट सत्र के प्रथम चरण के दौरान अच्छे वातावरण में वर्ण की गयी। उन्होंने कहा कि वह अपेक्षा करते हैं कि इसी तरह सदस्यों के सहयोग से सदन की कार्यवाही आगे भी सुचारु रूप से चलेगी। राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी जिसके साथ ही संसद के बजट सत्र का पहला चरण संपन्न हो गया।

देवघर में बम मार कर शिक्षक की हत्या, रोड जाम

देवघर। मधुपुर में गुरुवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े बम मारकर एक शिक्षक की हत्या कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। पुलिस मौके पर पहुंचकर छनबीन में जुट गयी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शिक्षक संजय दास अपनी स्कूटी से किसी काम में जा रहे थे। इसी क्रम में पिंपरासोल के पास पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने शिक्षक पर बम फेंक दिया, जिससे उनकी मौत हो गयी।

वाहवा आभूषण

खोना (किंकी) : 80200 रु./10 ग्राम

वांदी : 99000 रु./प्रति किंकी

तीसरी आंख

हम दिल्ली का अनुभव पंजाब में इस्तेमाल करेंगे -कैजरीवाल

अब कहाँ चले...?

पंजाब

वक्फ बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट पेश, संसद में हंगामा , वाकआउट फर्जी रिपोर्ट को हम नहीं मानेंगे : खड़गे

जो चाहें जोड़ लें, हमें आपत्ति नहीं : शाह

असहमति नोट हटाया गया : विपक्ष, कोई छेड़छाड़ नहीं : सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद में बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन गुरुवार को दोनों सदनों में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश कर दी गयी। इस दौरान विपक्ष ने असहमतियों को हटाने पर हंगामा किया, फिर सदन से वाकआउट कर गये। राज्यसभा में भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने तो लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदीबका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। करीब 600 पन्नों की यह रिपोर्ट सबसे पहले राज्यसभा में पेश की गई, जिसके तुरंत बाद सदन में हंगामा प्रारंभ हो गया। नाराज विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए अपने स्थान से खड़े हो गये और सभापति के आसन के नजदीक आ गये। सदन में हंगामा बढ़ने पर कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी सांसदों का कहना



था कि संयुक्त संसदीय रिपोर्ट में से विपक्ष के असहमति वाले विचारों को बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सरकार ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि रिपोर्ट में कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी है। सभी सदस्यों के विचार को इसमें रखा गया है। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजजू ने कहा कि जेपीसी रिपोर्ट में



से न तो कोई अंश हटाया गया है, न ही इसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की गई है। यह सभी झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से सदन को गुमराह न करने की भी अपील की।

हम नहीं मानेंगे : खड़गे : राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा यह गलत है, हम लोग इसे नहीं मानेंगे। सभी

असहमति वाले विचार रिपोर्ट में शामिल करके रिपोर्ट को दोबारा से पेश किया जाये। उन्होंने नेता सदन से अनुरोध करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट असंवैधानिक है, इसे दोबारा जेपीसी को भेजा जाये। श्री खड़गे ने कहा, ऐसी फर्जी रिपोर्ट को हम नहीं मानेंगे। रिपोर्ट में कई सदस्यों की असहमति है। उन नोट्स को हटाना और हमारे विचारों को दबाना ठीक नहीं है।

जो जोड़ना चाहें, जोड़ सकते हैं : शाह : लोकसभा में वक्फ पर जेपीसी की रिपोर्ट पर विपक्ष के आरोप और हंगामे के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो जोड़ना चाहें, जोड़ सकते हैं। इसमें भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है। अमित शाह ने खड़े होकर विपक्षी नेताओं से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा, 'आपको जो जोड़ना हो उसमें जोड़ सकते हैं, मेरी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं। (शेष पेज 11 पर)

कई क्षेत्रों में भारत को अमेरिकी प्राथमिकता

वाशिंगटन (एजेंसी)। पीएम मोदी अपनी विदेश यात्रा के दूसरे चरण में गुरुवार अमेरिका पहुंच गये। राष्ट्रपति के आवास में पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कई मुद्दों पर चर्चा की। वाशिंगटन डीसी के हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग शामिल रहे। बर्फबारी और भीषण ठंड के बीच उनके स्वागत में खड़े लोग भारत माता की जय, मोदी है तो मुमकिन है, मोदी-मोदी, वंदे मातरम नारे लगा रहे थे। पीएम मोदी ने हाथ मिलाकर सभी का अभिवादन किया। एयरपोर्ट पीएम मोदी राष्ट्रपति के ब्लेयर हाउस पहुंचे। भारत को प्राथमिकता : राष्ट्रपति



डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच बैठक का पूर्वावलोकन करते हुए व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका, भारत को रक्षा और ऊर्जा बिक्री को प्राथमिकता देने और बढ़ावा देने की कोशिश करेगा। दोनों नेता बैठक में रक्षा,

व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। व्यापार सौदे को लेकर बातचीत फिर से पटरी पर आने की उम्मीद है, जो शायद ट्रंप के पहले कार्यकाल में जहां से रुकी थी, वहीं से शुरू होगी। ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन में मोदी-मोदी गुंजा

के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि 2025 में सौदा करने का प्रयास किया जायेगा। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों नेता पहली बार मिले। राष्ट्रपति और पीएम इंडो पैसिफिक में स्थिरता और शांति को बढ़ावा देने के लिए क्वाड साझेदारी बनाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे।

एलन मास्क से वार्ता : टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने ब्लेयर हाउस में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों देशों के बीच व्यापार, टेक्नोलॉजी और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होने की की गयी। एलन मस्क अपने बच्चों के साथ पहुंचे हैं। इससे पहले

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वॉल्ट्ज ने मोदी के साथ बीच द्विपक्षीय बैठक की। विदेश मंत्री डॉ जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी बैठक में शामिल थे। इस बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- सार्थक बैठक हुई। वे हमेशा से भारत के बहुत अच्छे मित्र रहे हैं। रक्षा, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा भारत-अमेरिका संबंधों के महत्वपूर्ण पहलू हैं और हमने इन मुद्दों पर शानदार चर्चा की। एआई, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की प्रबल संभावना है।

आज आर्येगी राष्ट्रपति मुर्मू, कल बीआइटी के समारोह में भाग लेंगी

राज भवन में करेंगी विश्राम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल होने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार की शाम रांची पहुंचेंगी। वह एयरपोर्ट से सीधा राजभवन आर्येगी और रात्रि विश्राम राजभवन में ही करेंगी। दूसरे दिन सुबह 11 बजे बीआइटी के कार्यक्रम में हिस्सा लेने जीपी बिड़ला ऑडिटोरियम पहुंचेंगी। संस्थान की ओर से अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान एवं तकनीकी इनोवेशन के 70 वर्षों का जश्न



मनाया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में गणमान्य दिग्गज, नीति निर्माता, अकादमिक दिग्गज तथा संस्थान के एल्युमनाई भी शामिल होंगे, जो आज दुनिया भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बीआइटी मेसरा

के भावी दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए कई घोषणाएं की जायेंगी।

प्लेटिनम जुबली समारोह कल : 1955 में उद्योगपति बीएम बिरला द्वारा स्थापित बीआइटी मेसरा तकनीकी शिक्षा में अग्रणी रहा है। संस्थान 15 फरवरी को अपना प्लेटिनम जुबली समारोह मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। बीआइटी मेसरा इस वर्ष इनोवेशन के 70 वर्षों का जश्न मना रहा है। इस जश्न में राष्ट्रपति के साथ-साथ राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और बीआइटी मेसरा के चेयरमैन सीके बिड़ला शामिल रहेंगे। (शेष पेज 11 पर)

घर में लगी आग, पति-पत्नी जिंदा जल मरे

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। रांची जिले के सोनाहातू थाना क्षेत्र में एक घर में लगी भीषण आग में पति और पत्नी की जिंदा जलने से मौत हो गयी। जानकारी मिलने पर सोनाहातू पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। डिबाडीह गांव में के रंजीत साहू (46) बाइक मिस्त्री का काम करता था। आग में रंजीत साहू और उनकी पत्नी मीना देवी (42) भी जिंदा जल गयीं। घटना बुधवार की देर रात की है। सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार ने म्ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।



घर में डीजल- पेट्रोल रखा था : जानकारी के अनुसार हादसे के समय घर में केवल पति-पत्नी ही मौजूद थे। रात में जब शॉर्ट सर्किट की वजह से घर में आग लगी तो वहां रखे पेट्रोल और डीजल की वजह से आग ने भयावह रूप ले लिया। इस बीच रंजीत और उसकी पत्नी को भागने का मौका नहीं मिला और दोनों की जलकर मौत हो गयी। बाइक मिस्त्री रंजीत साहू खुदरा में



लाकर पेट्रोल और डीजल भी बेचता था। गांव वालों ने बताया कि मृत रंजीत साहू का बेटा पंकर दुकान चलाता है वो रात के समय उसी दुकान में था, इसलिए उसकी जान बच गयी। आग लगने से पांच लाख से अधिक की नुकसान हुआ है। जेवरात, कागजात, घरेलू सामान, कपड़े, अनाज आदि सब जल कर राख हुआ है। पिता के व्यापार का देख

एनपीयू भवन निर्माण मामले की जांच कमेटी करेगी

वित्त मंत्री ने निर्माण में धांधली की जानकारी कुलाधिपति को दी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरुवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भेंट कर उन्हें नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय (एनपीयू) के भवन निर्माण में हुई अनियमितताओं की जानकारी दी और जापान भी सौंपा। इस पर कुलाधिपति ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय कमेटी से जांच कराने की बात कही। समिति पूरे भवन का निरीक्षण कर राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपेगी।

पेयजल की भी व्यवस्था नहीं :



निरीक्षण के क्रम में कुलसचिव शैलेश कुमार मिश्रा भी मौजूद थे। उन्होंने मुझे बताया कि निर्मित

भवनों में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा

125 करोड़ की लागत से भवन निर्माण

वित्त मंत्री द्वारा राज्यपाल को सौंपे गए जापान में कहा है कि लगभग 125 करोड़ रुपये की लागत से एनपीयू का भवन निर्माण किया गया है। इसके निर्माण में बरती गयी अनियमितताओं की शिकायत कई छात्र संगठन ने की थी। उनकी शिकायत पर श्री किशोर विश्वविद्यालय के निर्मित भवन को देखने गये थे। उन्होंने कहा, मैंने पाया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक तथा एकेडमिक भवन में लगाये गये खिड़की-दरवाजे की गुणवत्ता संभवतः तय मानकों के अनुरूप नहीं है। एकेडमिक भवन की खिड़कियों में ग्लिज़ भी नहीं है। परिणाम स्वरूप सुरक्षा खतरों से इनकार नहीं किया जा सकता है।

ऑनर किलिंग मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

कोडरमा। ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मरकच्चो स्थित भगवती डीह में पंचखेरो नदी से बालू में दबा एक सिरकटी लाश बरामद हुई थी, जब पुलिस ने मामले की तपतीश शुरू की तो पता चला कि ऑनर किलिंग में इस वारदात को अंजाम दिया गया था। बताया जाता है कि मदन पांडेय ने अपने बेटे नितेश पांडेय और ज्योतिष पांडेय के साथ मिलकर अपनी बेटी निभा पांडेय की कुल्हाड़ी से काट कर हत्या कर दी थी। निभा पांडेय का गांव के ही एक लड़के से प्रेम प्रसंग था और इसी बात को लेकर उसके परिजन काफी खफा था। जानकारी के

अनुसार 2 फरवरी को निभा की हत्या कर लाश को पिता और भाई ने घर के ही टंकी में छुपा दिया था। शव से बदनू आने लगी तो तीन दिन बाद शव को बोरे में भरकर साईकिल से पंचखेरो नदी के पास ले जाया गया और बालू में गाड़ दिया गया। जब जानवरों ने शव को नोंचना शुरू किया तो पुलिस साईकिल से पंचखेरो नदी के पास ले जाया गया और बालू में गाड़ दिया गया। निभा पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया है। लड़की के पिता मदन पांडेय और उसके दोनों भाई नीतीश पांडेय और ज्योतिष पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया है।



नया आयकर बिल पेश प्रवर समिति को भेजा

दशकों पुराना कानून जटिल, बीड़िल हो गया था, अब आसान होगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में नया इनकम टैक्स बिल 2025 पेश कर दिया है। नये इनकम टैक्स बिल में दस बदलाव की सिफारिश की गयी है। 7 फरवरी 2025 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस बिल को मंजूरी दी थी। 7 फरवरी 2025 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस बिल को मंजूरी दी थी। यहनया विधेयक लगभग 60 साल पुराने इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेगा और टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनायेगा। पुराने कानून से जटिल टैक्स नियमों को समझने में कठिनाई होती थी। टैक्स रिटर्न भरने और अनुपालन में बढ़ी हुई टैक्स विवादों का निपटारा बहुत धीमा और पेचीदा था। नये बिल से इसका समाधान होगा। गुरुवार को स्पीकर ओम बिरला की अनुमति के बाद वित्त मंत्री ने सदन के समक्ष प्रस्ताव रखा। सदस्यों ने ध्वनिमत से मंजूरी दी।



पुराने कानून में कई दिक्कतें थीं

मौजूदा आयकर अधिनियम 1961 में लागू किया गया था। इतने वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में कई बड़े बदलाव हुए, लेकिन टैक्स सिस्टम अभी भी पुरानी संरचना पर आधारित था। इससे करदाताओं को कई तरह की समस्या हो रही थी। जटिल टैक्स नियमों को समझने में कठिनाई होती थी। टैक्स रिटर्न भरने और अनुपालन में बढ़ी हुई प्रशासनिक परेशानियां होती थीं।

536 हो गये हैं।

शेड्यूल्स भी बढ़ाये गये : शेड्यूल्स की संख्या 14 से बढ़कर 16 हो गयी है।

जटिल प्रावधानों का हटाना: पुराने कानून में मौजूद जटिल स्पष्टीकरण और प्रावधान हटा दिये गये हैं, जिससे इसे समझना आसान हो गया है।

वर्चुअल डिजिटल एसेट्स पर कड़े नियम: क्रिप्टोकॉरेंसी जैसे वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को अब अनइस्क्लोच्ड इनकम के तहत माना जायेगा।

टैक्स चोरी रोकने के उपाय: डिजिटल ट्रान्जेक्शन और क्रिप्टो एसेट्स पर कड़े प्रावधान, पारदर्शिता बढ़ाने और टैक्स चोरी को रोकने के लिए लागू किये गये हैं।

टैक्सपेयर्स चार्टर: नये बिल में टैक्सपेयर्स चार्टर भी शामिल किया गया है, जो करदाताओं के अधिकारों की रक्षा करेगा और टैक्स प्रशासन को पारदर्शी बनायेगा। (शेष पेज 11 पर)



झारखंड के आठ आईएस वेटिंग फोर पोस्टिंग

रांची। मनरेगा घोटाला मामले में जेल से बेल पर बाहर निकलीं पूजा सिंघल समेत 8 आइएएस अफसर अब वेटिंग फॉर पोस्टिंग में हैं। इसमें सचिव रैंक की अफसर पूजा सिंघल को जमानत मिलने की तिथि सात दिसंबर से निलंबन मुक्त किया गया है। चीफ सेक्रेटरी की अध्यक्षता में बनी कमेटेी ने उन्हें निलंबन मुक्त करने की अनुशंसा की थी। इसके बाद उन्हें कार्मिक में योगदान देने को कहा गया था। लेकिन अब तक उन्हें किसी भी विभाग की जिम्मेवारी नहीं सौंपी गयी है। हालांकि ईडी ने कोर्ट ने आवेदन देकर उन्हें विभाग की जिम्मेदारी नहीं देने की अपील की है। वहीं विशेष सचिव रैंक की अफसर राजेश्वरी वी भी लगभग एक महीने से पदस्थान की प्रतिक्षा में है।

प्रमोटी आइएएस का भी पदस्थापन नहीं

गैर प्रशासनिक सेवा से आइएएस सर्वग में प्रोन्नत हुए छह अफसरों का भी अब तक पदस्थापन नहीं हुआ है। इन अफसरों के आइएएस सर्वग में प्रमोशन का आदेश तीन फरवरी को केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय ने जारी किया था। 10 दिन के बाद भी इस अफसरों का पदस्थापन नहीं किया गया है। इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, विजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी और राजेश प्रसाद शामिल हैं। इनका पदस्थापन अब तक नहीं हो पाया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएचसी-08-25, दिनांक: 12.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उसकी ओर से बरिष्ठ बंडल विद्युत अभियंता (बी), दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएचसी-08-25, दिनांक: 11.02.2025 के तहत ई-निविदा आमंत्रित करने हेतु जिसे दिनांक 05.03.2025 को सुबह 2.00 बजे या उसके बाद कोना जाना निर्धारित है। सक्षिप्त विवरण/कार्य का नाम: रांची स्टेशन पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म संख्या 1।बी के निर्माण हेतु विद्युतीय कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 13,32,605.98। बचतना राशि/बचती प्रतिभूति: ₹ 26,700। निविदा बंद होने की तारीख और समय: 07.03.2025 को सुबह 2.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: <https://www.iimps.gov.in>

ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएचसी-08-25, दिनांक: 11.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उसकी ओर से बरिष्ठ बंडल विद्युत अभियंता (बी), दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची निविदा सूचना संख्या: ईएल-जी-आरएचसी-08-25, दिनांक: 11.02.2025 के तहत ई-निविदा आमंत्रित करने हेतु जिसे दिनांक 05.03.2025 को सुबह 11.00 बजे या उसके बाद कोना जाना निर्धारित है। सक्षिप्त विवरण/कार्य का नाम: रांची स्टेशन में एलएफएस/एलएफएस का निर्माण करके प्राथमिक समारोह संख्या सीए-51, सीए-45, सीए-24 के अन्तर्गत के लिए विद्युतीय कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 20,67,869.76। बचतना राशि/बचती प्रतिभूति: ₹ 41,400। निविदा बंद होने की तारीख और समय: 05.03.2025 को सुबह 11.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: <https://www.iimps.gov.in>। निविदा का विवरण: वेबसाइट <http://www.iimps.gov.in> पर देखा जा सकता है। निविदादाता को निविदादाताओं के पास क्लस-III डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अत्यंत होना चाहिए और उन्हें आईआरसीएस पोर्टल पर अवकाश पंजीकृत होना चाहिए। चिन्ह पंजीकृत निविदादाता/कोलोनका ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेने वाले निविदादाता को निविदा दस्तावेज के साथ सभी सम्बंधित कागजात अवश्य अपलोड करने होंगे। (PR-1139)

Name Change

I NIKITA RICHARDS daughter of No. IC 26106K EX colonel Name-VINOY RICHARDS resident of vill. Nayatoli Lane Po-Lower Bazar PS- Lower Bazar, Dist-Ranchi (Jharkhand) have changed my name from NIKITA ZAREEN RICHARDS to NIKITA RICHARDS & Date of Birth is 26-11-1976 vide affidavit No-1003 dtd 12.02.2025 before the Court of Ranchi.

Name Change

I ASHA POONAM RICHARDS wife of No. IC 26106K EX colonel Name-VINOY RICHARDS Resident of vill. Nayatoli Lane po-Lower Bazar ps. Lower Bazar Dist. Ranchi Jharkhand have changed my name from ASHA PUNAM RICHARDS to ASHA POONAM RICHARDS & Date of Birth is 28-03-1954 vide affidavit No-912 dtd 11.02-2025 before the court of Ranchi.

e-Procurement Cell, OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT,BUILDING DIVISION, SIMDEGA.
Email Id :- eengbcdsimdega@gmail.com

VERY SHORT TERM E- QUOTATION INVITATION NOTICE
Quotation Reference No : BCD/BD, SIMDEGA – 06/2023-24
Sealed Quotations are invited for the work **(I) Proposed Construction of District Bar Council Building in the District Simdega** for all Materials from Reputed Shop Keepers/Manufacturers/ Suppliers/ Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table, If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.
Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.
नोट :-
(1) वेबसाइट में ई-कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 20.02.2025 के अपराह्न 3:30 बजे।
(2) वेबसाइट में ई-कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 21.02.2025 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(3) ई-कोटेशन अपलोडेड का हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 25.02.2025 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(4) ई-कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय : 27.02.2025 अपराह्न 3:30 बजे।
(5) ई-कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
(6) ई-कोटेशन प्रक्रिया का दूरभाष सं० : 8674835234
(7) कोटेशनदाता को यू-लैंग रजिस्ट्रेशन की फोटोकॉपी अपलोड करना अनिवार्य है।
नोट : जो कोटेशनदाता कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा को कार्यालय में हार्ड कॉपी जमा करेंगे उसकी का रेट खाली जायेगा।
अन्य किसी जानकारी के लिए वेबसाइट <http://jharkhandtenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमंडल,सिमडेगा
PR 346404 Simdega(24-25).D

शहरों का जीवन स्तर विकसित करने के सभी बुनियादी सुविधाएं बढ़ायें : सुनील त्ववस्थित नगरीय विकास के लिए पीएमएवाई के तहत कालोनी विकसित किया जाये

► सालिड वेस्ट मैनेजमेंट और सिवरेज के लिए लंबित निविदा का निष्पादन शीघ्र करायें

► पाइप बिछाने से पहले डब्ल्यूटीपी और इंटेकवेल पहले बनाये जायें

► क्षेत्र आधारित विकास कार्यों के लिए स्थल का चयन कर विभाग को सूची भेजा जाये

► हर हाल में मार्च तक योजना मद की राशि जरूर खर्च किया जाये



सचिव सुनील कुमार ने नगर निकायों के योजनाओं की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिया। गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहरों की गरिमा बढ़ाने एवं सुव्यवस्थित नगरीकरण लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाकर उपलब्ध कराया जाये। यही नहीं शहरों के जीवन स्तर को विकसित करने के लिए नागरिकों को हर बुनियादी

सुविधाएं मुहैया करावहीं जायें। प्रधान सचिव ने इस योजना में 70 प्रतिशत से कम काम कराने वाली नगर निकायों पर नाराजगी जाहिर करते हुये कहा कि मार्च के अंत तक काम के प्रतिशत को बढ़ाया जाये। साथ ही सभी योजनाओं के लिए आवंटित राशि मार्च तक खर्च की दी जाये। किसी भी हाल में राशि लैप्स नहीं होनी चाहिए अन्यथा कार्रवाई की जायेगी।

निविदा निष्पादन के काम को लटकाया नहीं जाये : श्री कुमार ने कहा

कि राज्य और शहरों का सम्मान वहां उपलब्ध आधारभूत संरचना और बुनियादी सुविधाओं से ही होता है। इसलिए क्षेत्र आधारित विकास के लिए भूमि और स्थान का चयन कर योजनाएं बनावहीं जाये। इसमें संबंधित उपायुक्तों से समन्वय बना कर काम किया जाये। प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना के तहत बिजली और पानी जरूर उपलब्ध कराने का प्रावधान होना चाहिए। प्रधान सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निविदा निष्पादन के काम को

नाबार्ड के सहयोग से चल रही योजनाओं को गति दे : सीएस

रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठी हाई पावर कमिटी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से चल रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान योजना क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के ससमय पूरा होने से ही नाबार्ड के ऋण का फायदा मिलेगा। उन्होंने बहुत धीमी गति वाली योजनाओं के कार्य में प्रगति लाने और जो समय पर पूरी हो सकती हैं, उन योजनाओं पर फोकस करने पर बल दिया। मुख्य सचिव गुरुवार को रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड और अन्य से जुड़ी योजनाओं की हाई पावर कमिटी की बैठक में समीक्षा कर रही थीं।

इस दौरान योजनाओं के विरुद्ध स्वीकृत ऋण निकासी के बाद बचे पैसे (गैप) पर भी गहन मंथन किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की संभावित योजनाओं पर चर्चा की गयी।

पेयजल की योजनाओं को 976.96



करोड़ का ऋण स्वीकृत : समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभिन्न विभागों की वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 2921.79 करोड़ की 500 योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 1839.39 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हैं या प्रक्रियाधीन हैं।

उसमें से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पेयजल से जुड़ी 1137.53 करोड़ की 18 योजनाओं के लिए 976.96 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हो चुका है। जल संसाधन विभाग के 365.30 करोड़ के पलामू लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए 308

करोड़ और 511.36 करोड़ के पीरटांड मेगालिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए 461.53 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत है। **गोदाम और मार्केटिंग सेंटर बनाने की कवायद :** बताया गया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की 369 गोदाम और मार्केटिंग सेंटर बनाने के लिए 103.66 करोड़ की योजना के विरुद्ध 92.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग की ग्रामीण पुल निर्माण की 803.94 करोड़ की योजना है। इसमें से 124 पुल निर्माण के लिए 271.35

ग्रामीण विकास के कार्यों से संतुष्ट दिखीं

समीक्षा के दौरान स्पष्ट हुआ कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सड़क निर्माण विभाग की 1,088.36 करोड़ की 34 में से 22 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 12 लगभग पूरी होने की स्थिति में हैं। वहीं जल संसाधन विभाग की 2,873 करोड़ की सिंचाई योजनाओं में से 4 बड़े प्रोजेक्ट पूरा होने की स्थिति में हैं। ग्रामीण विकास विभाग की 380 करोड़ की योजनाओं की प्रगति से सीएम संतुष्ट दिखीं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हाई पावर कमिटी की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार, पथ निर्माण के प्रधान सचिव सुनील कुमार, कृषि सचिव अबू वक्कर सिद्दीकी, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन एवं नाबार्ड के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

करोड़ का ऋण प्रक्रियाधीन है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण से मिला झारखंड जनाधिकार महासभा का प्रतिनिधिमंडल



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड जनाधिकार महासभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की और आगामी बजट सत्र से पहले राज्य के गरीब और हाशिये पर मौजूद समुदायों से जुड़े अहम मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। महासभा ने विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। इनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, मध्याह्न भोजन रसोइयों के वेतन में सुधार,

मातृत्व लाभ योजना के विस्तार, राज्य की न्यूनतम मजदूरी दर में वृद्धि और शिक्षकों की नियुक्ति शामिल हैं।

मौके पर वित्त मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन व मध्याह्न भोजन रसोइयों के मानदेय में वृद्धि के लिए विचार करेगी। उन्होंने झारखंड में मातृत्व लाभ योजना के विस्तार के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने का भी वादा किया।



खबर

एक नजर में

रिस्स के आरटी गुड़िया वार्ड में भरती मरीज की मौत परिजनों का डॉक्टर-नर्स पर लापरवाही का आरोप

रांची। रिस्स में ईलाजरत कोइरमा निवासी हेमंत कुमार वर्मा (85) वर्ष की गुरुवार की शाम ईलाज के दौरान मौत हो गयी। उनके निधन से उनके परिजन मर्माहत हैं और रिस्स के डॉक्टरों और नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अगर समय से उन्हें ईलाज किया गया होता तो आज वह जिंदा होते थे। ईलाज के दौरान वह काफी ठीक हो रहे थे। वह बोलन और समझने भी लगे थे। परंतु गुरुवार की शाम अचानक उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। इसकी शिकायत डॉक्टर और नर्स से की गयी। परंतु उनलगों ने परिजनों की एक न सुनी और ईलाज में देरी कर दी। नतीजा उनका निधन हो गया। बताते चलें कि वह रिस्स के आरटी गुड़िया के वार्ड बीते 7 फरवरी से भरती थे। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और फिडनी की भी परेशानी थी।



आर्मी लैंड स्कैम मामले में इम्तियाज को बेल देने से सिविल कोर्ट का इनकार

रांची। सेना के कब्जे वाली जमीन से जुड़े फजीवर्दे में बीते साल 20 अगस्त से जेल में बंद इम्तियाज अहमद की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। रांची सिविल कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया है। इम्तियाज पर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर जाली आधार कार्ड और बिजली बिल बनाकर सेना की जमीन बेचने का आरोप है। बताते चलें कि इस मामले को लेकर बरियातू थाना में 4 जून 2022 को मुख्य आरोपी प्रदीप बागची के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। जांच के क्रम में इम्तियाज अहमद का नाम सामने आया। प्राथमिकी के मुताबिक, इम्तियाज अहमद ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर रजिस्ट्रार ऑफ एशोरेस और कोलकाता के कर्मचारियों के सहयोग से फर्जी विलेख बनाने में शामिल था। जांच अधिकारी द्वारा पूछाछ के दौरान सह-आरोपी अफसर अली ने होर्डिंग नंबर हासिल करने के लिए 90,000 रुपये के लेनदेन की बात स्वीकार की।

झारखंड में रांची सहित सात जिलों में आयुष अस्पताल की मंजूरी दी

रांची। झारखंड भाजपा के निर्वतमान अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने केन्द्रीय आयुष मंत्री से झारखंड राज्य में आयुर्वेदिक अस्पताल खोलने से सम्बंधित जानकारी मांगी थी। श्री प्रकाश के सवालों के जबाब में केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, झारखंड में आयुर्वेदिक अस्पताल खोलना संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है। हालांकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के तहत 50/30/10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। राज्य सरकार एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएपीपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है। एनएएम के तहत, एसएपीपी के माध्यम से झारखंड राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने रांची, गुमला, बोकारो, देवघर, पलामू, दुमका, पूर्वी सिंहभूम में एकीकृत आयुष अस्पतालों की सात इकाइयों को मंजूरी दी है।

चेयमैन के नहीं रहने से पंगु हो गया है जेपीएससी : बाबूलाल

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट पर जेपीएसएससी को लेकर सवाल भी खड़े किये हैं। उन्होंने कहा है कि पिछले 6 महीनों से बिना अध्यक्ष के जेपीएससी पंगु बन चुका है। लाखों मेधावी छात्र, जिन्होंने अपना सब कुछ दांव पर लगाकर परीक्षा दी, आज उनके भविष्य पर ग्रहण लग गया है। न कोई परिणाम, न अगली प्रक्रिया, बस असमंजस, इंताजार और अनिश्चितता! अध्यक्ष नियुक्त कर युवाओं की समस्या का करें निदान : बाबूलाल ने एक्स पर आगे लिखा कि राज्य सरकार की बेरुखी ने लाखों युवाओं की मेहनत पर पानी फेर दिया है। युवाओं के भविष्य की बारी आई, तो पूरा सिरस्ट मीन है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से अप्रग्रह किया कि बेरोजगार युवाओं के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए यथाशीघ्र जेपीएससी अध्यक्ष नियुक्त कर युवाओं की समस्या का निदान करें।

जेपीएससी का पिंड दान कर अभ्यर्थियों ने किया विरोध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेपीएससी छात्र सत्यनारायण शुक्ला ने गुरुवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के मुख्य गेट के सामने पिंड दान किया और ब्राशण भोज कार्यक्रम आयोजित कर विरोध जताया। इस दौरान छात्रों ने कहा कि जेपीएससी अध्यक्ष पद पिछले सात महीनों से रिक्त है। इस कारण जेपीएससी परीक्षा के 11वीं और 13वीं मुख्य परीक्षा के परिणाम, फुट शेफटी ऑफिसर परीक्षा का परिणाम, सीडीपीओ मेंस परीक्षा का परिणाम, असिस्टेंट कंजरक्टर ऑफिसर और फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर परीक्षा का परिणाम अब तक प्रकाशित नहीं हो पाया है। हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में है : छात्रों ने कहा

कि हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में है और उनका समय नष्ट हो रहा है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं और कोचिंग फीस का बोझ बढ़ता जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासी-मूलवासी का बेठा होने की बात कर रही है, लेकिन झारखंड के निवासियों को नौकरी नहीं मिल रही है। जेपीएससी छात्र शशांक राज ने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी संस्था जेपीएससी है। लेकिन यहां अध्यक्ष पद पिछले सात महीनों से खाली पड़ा है। पढ़ाई-लिखाई के बाद नौकरी के जरिए भविष्य बनाने की उम्मीद थी। लेकिन लंबे समय से छात्रों का समय और पैसा बर्बाद हो रहा है। छात्र रोजगार की मांग कर रहे हैं और इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं।



राष्ट्रपति की यात्रा को ले सुरक्षा कड़ी

ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव, शहर में सुबह आठ से रात दस बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर रांची आ रही हैं। वह बीआईटी मेसरा के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। इसके बाद 15 फरवरी को दिल्ली लौट जायेंगी। उनके रांची आगमन की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसको लेकर रांची के ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

रांची के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

14 फरवरी : सुबह आठ बजे से रात्रि दस बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

14 फरवरी : दोपहर तीन बजे से रात के सात बजे तक तक शहर में छोटे मालवाहन वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

14 फरवरी : दिन के तीन बजे



से छह बजे तक कांकि, रातु, काठीटांड, दलादली, कटहल मोड़ की ओर जाने वाले वाहन शहर से मेन रोड, लालपुर रोड, कांटाटोली रोड से होकर अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगे।

14 फरवरी : दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक एयरपोर्ट रोड, हिन्तू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा

एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों के लिए आवश्यक सूचना

14 फरवरी को एयरपोर्ट जाने वाले सभी यात्रियों से अपील है कि जिनकी फ्लाइट 04:00 बजे से 05:30 बजे के बीच है, वे 03:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जायें। वहीं 15 फरवरी को एयरपोर्ट जाने वाले यात्री, जिनकी फ्लाइट दिन के 11:00 बजे से 01:30 बजे के बीच है, वे 11:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाने का कष्ट करें।

मैट्रिक और इंटर परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सूचना

मैट्रिक और इंटर के परीक्षार्थी, जिनकी परीक्षा 15 फरवरी को प्रथम पाली में है, वो परीक्षा केंद्र सुबह 09:30 बजे तक पहुंच जायें। वहीं द्वितीय पाली के परीक्षार्थी सुबह 12:00 बजे तक एग्जाम सेंटर पर पहुंच जायें।

चौक, सहजानंद चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिंग्स चौक, राजभवन मोड़ तक सड़क का उपयोग कम से कम करें।

14 फरवरी : कांकि रोड, रातु रोड, कटहल मोड़, काठीटांड की ओर से शहर की ओर आने वाले सभी वाहन कांकि रिंग रोड, लालपुर चौक, कांटाटोली रोड होते हुए शहर में प्रवेश कर सकते हैं।

आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को अल्प समय के लिए डायवर्ट और स्टॉप किया जा सकता है।

15 फरवरी : सुबह आठ बजे से रात्रि दस बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। इस दिन पलामू, गढ़वा, लातेहार, गुमला की ओर से आने वाले बड़े वाहन काठीटांड, तिलता चौक से दायें मुड़कर रिंग रोड से अपने

गंतव्य स्थान तक जा सकेंगे।

15 फरवरी : जमशेदपुर की ओर से आने वाले बड़े वाहन, जिनको पलामू की ओर जाना है, वे सभी रामपुर रिंग रोड चौक से बायें मुड़कर अपने गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं।

15 फरवरी : हजारीबाग की ओर से आने वाले बड़े वाहन, जिसको पलामू, गुमला की ओर जाना हो, वे नेवरी (विकास) रिंग रोड चौक से बायें मोड़कर रामपुर चौक होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

15 फरवरी : पिठौरिया की ओर से आने वाले सभी बड़े वाहन कांकि रिंग रोड चौक से दायें मुड़कर अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगे।

15 फरवरी : कांकि की ओर से शहर में प्रवेश करने वाले सभी छोटे वाहन सुबह 09:30 बजे से सुबह 11:00 बजे तक रिंग रोड से

होकर पिस्का मोड़, पंडरा होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे।

15 फरवरी : रांची रेलवे स्टेशन जाने वाले सभी वाहन मेन रोड से होकर फ्लाई ओवर के नीचे से बहु बाजार होते हुए जा सकते हैं।

15 फरवरी : सुबह 09:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक कांकि रिंग रोड से नेवरी रिंग रोड तक सड़क का उपयोग कम से कम करें।

15 फरवरी : सुबह 09:30 बजे से 01:30 बजे तक नेवरी रिंग रोड से बीआईटी मोड़ तक सड़क का उपयोग कम से कम करें। बीआईटी मोड़ से बुटी मोड, कांटाटोली चौक, फ्लाईओवर, सिरम टोली चौक, सुजाता चौक, डोरंडा थाना चौक, हिन्तू चौक तक सड़क का इस्तेमाल कम से कम करें।

सीनियर एडवोकेट की रेस में अब बचे 74 वकील

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में वरीय अधिवक्ता के रूप में चयन की रेस में अब सिर्फ 74 वकीलों की दावेदारी बची है। क्योंकि विभिन्न कारणों से 6 वकीलों का आवेदन रद्द कर दिया गया है। अधिवक्ता मुकेश कुमार सिन्हा, अनिल कुमार सिंह, कंचन लता, जीएम मिश्रा, पंकज श्रीवास्तव और अचंचूत केशव का आवेदन रद्द किये जाने की जानकारी हाईकोर्ट की ओर से साझा की गयी है। जिसके बाद अब 74 वकील सीनियर अधिवक्ता की रेस में बचे गये हैं। इन वकीलों में झारखंड हाईकोर्ट, रांची सिविल कोर्ट, धनबाद सिविल कोर्ट समेत अन्य जिला न्यायालय के वकीलों का नाम शामिल है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार करीब 10 से 15 वकीलों का चयन वरीय अधिवक्ता के रूप में हो सकता है।

ये वकील हैं वरीय अधिवक्ता की रेस में

अवनीश शेखर, मनोज टंडन,

विभिन्न कारणों से 6 वकीलों का आवेदन रद्द

फुल कोर्ट की बैठक में किया जा सकता वरीय अधिवक्ताओं का चयन

वर्ष 2017 के बाद से अब जल्द ही फुल कोर्ट की बैठक हो सकती है, जिसमें वरीय अधिवक्ताओं का चयन किया जा सकता है। नियम के मुताबिक, डेजिग्नेटिड सीनियर के रूप में चयनित होने के लिए वकीलों ने अपनी प्रैक्टिस, अपने जुनियर वकीलों की जानकारी और महत्वपूर्ण मुकदमों में उनके द्वारा की गयी पैरवी के अलावा कई बिंदुओं पर जानकारी साझा कर दी है। फॉर्म भरने वाले वकीलों ने इस बात की भी जानकारी दी है कि जिला बार एसोसिएशन या स्टेट बार काउंसिल में उक्त अधिवक्ता के खिलाफ मिसकंडक्ट या फिर प्रोफेशनल कंडक्ट का कोई आरोप है या नहीं।

मिथिलेश कुमार मिश्रा, डॉ हसनैन वारिस, सुमित कुमार गाड़ोदिया, सौरव अरुण, अवनीश रंजन मिश्रा, हिमांशु कुमार मेहता, प्रवीण शंकर दयाल, बी के दुबे, प्रशांत पल्लव, जयशंकर त्रिपाठी, विकास किशोर प्रसाद, संजोय पिपरवाल, के के झुनझुनवाला, इंद्रजीत सिन्हा, रविंद्र नाथ, भानु कुमार, सुधीर कुमार, मोख्तार खान, अभय कुमार मिश्रा, के के ओझा, दर्शना पोद्दार, एस के

मुसारी, कल्याण राय, राजीव सिन्हा, नीलेश कुमार, विपुल दिव्या, एस के वर्मा, अपूर्व लाल, जी एम मिश्रा, अशोक कुमार सिंह, अयोध्या प्रसाद, मो मुस्लिम अंसारी, मो जाकी आजम, समीर सौरभ, अमर कुमार सिन्हा, हेमंत शिकरवार, अमित कुमार दास, अजय कुमार त्रिवेदी, प्रकाश कुमार झा, हरेंद्र महतो, सुधीर कुमार शर्मा, चुन्नु कांत, हरेंद्र कुमार

एकलव्य प्रशिक्षण और शिक्षा प्रोत्साहन योजना पर लटका ताला, 350 करोड़ की योजना गायब: भाजपा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने अक्टूबर 2023 में झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दो टेंडरों- एकलव्य प्रशिक्षण योजना और मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना की स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने वर्ष 2023 में इन दोनों योजनाओं की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य झारखंड के 35,000 छात्रों को लाभ पहुंचाना था। इन योजनाओं के तहत छात्रों के लिए यूपीएससी, जेपीएससी, बैंक पीओ, मेडिकल, इंजीनियरिंग, एसएससी, होटल मैनेजमेंट, मास कम्युनिकेशन, रेलवे बोर्ड, आदि जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की गई थी। इसके



अलावा, छात्रों को हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान भी था।

350 करोड़ का था बजट : अजय साह ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दोनों योजनाओं के लिए लगभग 350 करोड़ रुपये का बजट डेढ़ साल पहले ही स्वीकृत किया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि बिना किसी स्पष्ट कारण के इतनी महत्वपूर्ण योजना को

रोककर झारखंड के हजारों छात्रों के भविष्य को अंधकार में क्यों धकेला गया?

आखिर फंड कहाँ डायवर्ट हुआ : उन्होंने पूछा कि यदि इन योजनाओं के लिए बजट स्वीकृत हो चुका था, तो क्या छात्रों के लिए निर्धारित फंड किसी अन्य योजना में डायवर्ट कर दिया गया? उन्होंने सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि क्या ये योजनाएं पूरी तरह बंद कर दी गई हैं, या आगामी बजट में इन्हें पुनः शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमतौर पर छात्र हर वर्ष अप्रैल में नए सत्र के साथ कोचिंग शुरू करते हैं। यदि सरकार ने मार्च तक इन योजनाओं को लागू नहीं किया, तो ये योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाएंगी और धरातल पर कभी उतरी नहीं पाएंगी।

बिजली वितरण निगम का दावा गर्मी में नहीं होगी बिजली की कमी



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने दावा किया है कि राजधानी रांची में बिजली की कमी नहीं होने दी जाएगी। 15 मार्च तक ग्रीड मंटेनेश का काम पूरा कर

एनटीपीसी से खरीदेगा 3441.89 करोड़ की बिजली

बिजली वितरण निगम एनटीपीसी से वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3441.89 करोड़ की बिजली खरीदेगा। डीवीसी से 2302.56 करोड़, टीपीएनएल से 1050.46 करोड़ और आधुनिक पावर से 631.97 करोड़ की बिजली खरीदेगा।

फिस पावर कंपनी से कितने करोड़ की बिजली			
पावर कंपनी	राशि (करोड़ में)	पावर कंपनी	राशि (करोड़ में)
एनटीपीसी	3441.89	आधुनिक	631.97
एनएचपीसी	16.82	सोलर पावर	301.88
पीटीसी (हाइडल)	126.61	पवन ऊर्जा	289.71
डीवीसी	2302.56	इलैड पावर	250.57
टीपीएनएल	1050.46	सिकिंदिरी हाइडल	64.08

लिया जाएगा। रांची में लगभग 400 मेगावाट तक की मांग पूरी की जाएगी। बताते चलें कि झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजली खरीद पर 9285.68 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसमें सोलर व पवन ऊर्जा सहित 10

खरखरी कोयला खनन परियोजना में खूनी संघर्ष पर कोल इंडिया ने नहीं की कार्रवाई : चंद्र प्रकाश

गिरिडीह सांसद ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री से मिलकर दी जानकारी, संज्ञान लेने का आग्रह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की है। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री का ध्यान बी.सी.सी.एल के अंतर्गत गोविंदपुर क्षेत्र के खरखरी कोयला खनन परियोजना में हुई खूनी संघर्ष, गोली कांड, बमबारी व करोड़ों की चोरी की कोयला की बरामदगी की ओर आकृष्ट कराया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को इस घटना पर कोल इंडिया द्वारा अब



तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने की भी जानकारी दी और इसका गंभीरता के साथ संज्ञान लेने का आग्रह किया है।

उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि खरखरी कोयला खनन परियोजना को पुनः प्रारंभ करने के लिए हिलटॉप हाईरिंग को कार्य करने की एलओए

अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी की गयी।

उन्होंने बताया कि गोविन्दपुर क्षेत्र के परिया -3 के जीएम जी-सी शाह के द्वारा हिलटॉप हाईरिंग को अवैध वित्तीय लाभ व बी.सी.सी.एल को करोड़ों का चूना लगाने की नीयत से नियम विरुद्ध गत 9 जनवरी को किराए के गुंडों को अपने संरक्षण में प्रतिदिन करोड़ों के कोयला चोरी करने वाले अपराधी कारु यादव के साथ मिलीभगत से स्थानीय ग्रामीणों की रैयती भू-भाग बिना अधिग्रहण किए चहारदीवारी कर अवैध कब्जा किया जा रहा था। जिसका विरोध हजारों ग्रामीणों ने किया तो किराए के गुंडों ने ग्रामीणों पर सैकड़ों राउंड गोलीबारी चलाना शुरू कर दिया तथा बमों की बारिश होने लगी।हस घटना में सैकड़ों विस्थापित ग्रामीण घायल हो गए।

अरगोड़ा चौक पर कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने वीर बुधु भगत को दी श्रद्धांजलि



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वीर बुधु भगत हुही (क्रांति) मोर्चा के अध्यक्ष प्रदीप तिकी की अगुवाई में गुरुवार को आदिवासी संगठनों ने अरगोड़ा चौक पर वीर बुधु भगत को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके नाम पर बनाए गए स्थल पर शिबु पाहन ने पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में सैकड़ों आदिवासी महिला और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में एकजुट हुए। वीर बुधु भगत के जन्मस्थल से उनके वंशज मिट्टी और जल लेकर आए थे, जिनमें रामधनी भगत, शिवपूजन भगत और बिहारी भगत शामिल थे। उन्हें भव्य रूप से अरगोड़ा चौक पर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपस्थित हुए और

कहा कि वीर बुधु भगत आदिवासी समाज के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व थे। आज भी युवा पीढ़ी उनके संघर्ष और बलिदान को याद करती है। उनके जन्म दिवस पर उनके जन्मस्थल सिलागाई में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि अरगोड़ा चौक पर जल्द ही वीर बुधु भगत की प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिये। इस अवसर पर शिबु पाहन, सुखाड़ी उरांव, सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष संजय कुजूर, वीर बुधु हूही क्रांति के अध्यक्ष प्रदीप तिकी, कारणी अध्यक्ष अनील तिग्गा, रवि तिग्गा, विद्या सागर करकेड़ा, प्रो. राम किशोर भगत, सुखराम लकड़ा, गुलाब चंद्र बाड़ा, संजय कुजूर, झरी लिंडा, राजू तिग्गा, सुलेन गाड़ी, सुधीर उरांव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राज्यपाल से मिले आदिवासी छात्र संघ अध्यक्ष

रांची। राज्यपाल संतोष



कुमार गंगवार से गुरुवार को आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष सुशील उरांव ने राज भवन में भेंट की तथा राज्य के सभी

विश्वविद्यालयों में कुरमाली, कुडुख, मुंडारी, संथाली एवं हो भाषा की पढ़ाई हेतु फल करने का आग्रह किया।

झारखंड में शब-ए-बारात की छुट्टी आज

रांची। झारखंड सरकार ने शब-ए-बारात पर शुक्रवार यानी 14 फरवरी को छुपी का ऐलान किया है। कार्मिक, प्रशानिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इससे संबंधित आदेश गुरुवार को जारी कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि 14 अक्टूबर 2024 में जारी अधिसूचना के तहत वर्ष 2025 में विभिन्न पर्वों और अवसरों पर झारखंड राज्य सरकार के अधीन सभी कार्यालयों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। इस अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए शब-ए-बारात के अवसर पर 14 फरवरी 2025 (शुक्रवार) को कार्यालक आदेश के तहत अवकाश घोषित किया जाता है।

बार कौंसिल के मॉडल नियमावली में संशोधन के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई जुलाई में

रांची। झारखंड राज्य बार कौंसिल द्वारा मॉडल नियमावली में संशोधन के खिलाफ दायर याचिका पर जुलाई में सुनवाई होगी। गुरुवार को आंशिक सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन ने अगली सुनवाई के लिए जुलाई की तिथि निर्धारित की। याचिका झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि झारखंड बार कौंसिल मॉडल नियमावली में संशोधन कर राज्य के सभी एसोसिएशन के खातों की ऑडिट उनकी ओर से भेजी गई टीम द्वारा कराये जाने की बात कही गयी है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से इस संशोधन को पूरी तरह से असंवैधानिक बताया गया और पहले की व्यवस्था लागू कराने आग्रह किया गया।

निजी वाहनों में सरकारी संस्था के नाम लिखे जाने के खिलाफ याचिका वापस

रांची। निजी वाहनों में सरकारी संस्थान का नाम लिख कर चलने वालों के खिलाफ जनहित याचिका प्रार्थी ने गुरुवार को वापस ले ली। महादेव दास ने यह याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने प्रार्थी से कहा कि यह जनहित का मामला नहीं है। किसी भी मामले में जनहित याचिका दायर नहीं की जा सकती। अदालत ने प्रार्थी को फटकार लगाते हुए हर्जाना लगाने की भी बात कही, लेकिन प्रार्थी ने अदालत से याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। अदालत ने भविष्य में इस तरह की जनहित याचिका दायर नहीं करने की चेतावनी देते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

एनएसयूआई ने राज्यपाल को सौंपा झापन

रांची। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति पूर्णतः रद्द कर इसे जेपीएससी द्वारा निर्मित नियमावली से नए सिर से करने का आग्रह राज्यपाल संतोष गंगवार से गुरुवार को झापन सौंप कर मांग की। राज्यपाल को उक्त विषय पर अब तक की सभी गतिविधियों से अवगत कराते हुए उन्होंने कहा है कि राज्यभर के विश्वविद्यालयों में अनुबंध पर आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति की जानी थी किंतु जेपीएससी द्वारा निर्मित नियमावली का अनुसरण नहीं कर राज्यभर के आदिवासी मूलवासी अभ्यर्थी का हक मारा जा रहा था।

एनसीसी सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्रों ने पुलवामा हमले में अपनी जान गंवाने वाले शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची। एनसीसी सेंट



जेवियर्स कॉलेज के छात्रों ने गुरुवार को पुलवामा हमले में अपनी जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैडल मार्च का आयोजन किया। इस दिन एक आत्मघाती हमलावर ने जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के काफिले को निशाना बनाया, जिसमें 40 जवान वीरगति को प्राप्त हुए। कैडल मार्च में कुल 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 150 एनसीसी कैडेट और 100 एनएसएस कैडेट शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में एएनओ लेफ्टिनेंट प्रो. प्रिया श्रीवास्तव का अहम योगदान रहा।

हिंदपीढ़ी छोटा तालाब के पास लगी भीषण आग



रांची। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के निजाम कबाड़ी की दुकान में भीषण आग लग गयी है। समाचार लिखे जाने तक आधा दर्जन दमकल की गाड़ियों के द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा था। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं है।



झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली ने शिविर लगाकर सदस्यता अभियान चलाया हेमंत सोरेन सरकार से लोग खुश, सदस्यता ग्रहण करने में महिलाएं और युवा आगे : मुस्ताक आलम

● **पार्टी नेतृत्व का 50 लाख नये सदस्य बनाने का लक्ष्य है और हम निश्चित ही इस लक्ष्य को पूरा करेंगे**

खबर मन्त्र संवाददाता



डोरेंडा में सदस्यता अभियान में झामुमो नेता

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली द्वारा रांची महानगर का गुरुवार को डोरंडा बाजार के समीप शिविर लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया। इसकी अध्यक्षता झामुमो केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने की। सदस्यता अभियान में पार्टी के केन्द्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य विशेष रूप

से उपस्थित थे। मौके पर झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा हमारे सदस्यता अभियान की शुरुआत 18 जनवरी से हुई। आयोजित हुए तमाम शिविरों में लोगों की काफी भीड़ हो रही है। लोग स्वेच्छा से पार्टी से जुड़ रहे हैं। पार्टी का जो लक्ष्य है हम उससे ज्यादा सदस्य

जोड़ेंगे। सदस्यता अभियान में लोगों का जो उत्साह देखने को मिल रहा है। वह बताते के लिए काफी है कि हेमंत सोरेन की सरकार को लोग पसंद कर रहे हैं और पार्टी से जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्य रूप से महिलाओं और युवाओं का रुझान पार्टी की ओर ज्यादा है और वे पार्टी से भी जुड़ रहे हैं। पार्टी

इन्होंने ली सदस्यता

सदस्यता अभियान को सफल बनाने में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद नसीम गद्दी और साहिल हबीब का अहम योगदान रहा। इस अवसर पर सदस्यता लेने वालों में मुख्य रूप से रंजन कुमार सहाय, डॉ तुलसी साहू, बसंत राम, बीबी सिन्हा, दिलीप सिंह, ओपी उपाध्याय, शांति कुजूर, शीला उरांव, इंदु उपाध्याय, दिनेश राम, ऋषभ आनंद, संतोष ठाकुर, विजय ठाकुर एवं डोरंडा फुटपाथ दुकानदार समिति के अध्यक्ष मो. इब्राहिम, मुन्ना गोसाई, मोनू सिंह, राजकुमार, बिक्की अली, मो. सफीक एवं अन्य लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। पार्टी से जुड़ने वाले सभी नए सदस्यों को जिला संयोजक मंडली के सदस्यगणों और जिला व रांची महानगर के वरिष्ठ नेतागणों ने पार्टी का पट्टा पहनाकर और सदस्यता रसीद देकर पार्टी की सदस्यता दिलाई।

नेतृत्व के द्वारा 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य है और हम निश्चित ही इस लक्ष्य को पूरा करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल कु. मेहता, संध्या गुड़िया, सोनू मुंडा एवं पूर्व पार्षद नसीम गद्दी, अफरोज आलम, कलाम आजाद, साहिल

हबीब, आदिल इमाम, पुष्पा बरदेवा, सोहेल खान, रमजान रजा, माइकल रंडा, परवेज आलम, राजेश सिंह, मो. परवेज, विजय रविदास, आजाद रजा, अवधेश यादव, निखिल, राकेश, कासिफ राजा, अतिकुर रहमान, फारुख खान, मनीष राणा, भास्कर महतो एवं अन्य महानगर के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

नीरजा सहाय डीएवी में राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नीरजा सहाय डीएवी में गुरुवार को नाईट एंगल आफ इंडिया सरोजिनी नायडू के जन्म दिवस को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया गया। सरोजिनी नायडू एक निर्भय स्वतंत्रता सेनानी थी, जो अंग्रेजों के खिलाफ लोगों में जोश भरने वाली एवं खासकर महिलाओं के अधिकार के लिए एक जागरूक सशक्त महिला थी। उनके देशभक्ति से भरे शब्द लोगों के मस्तिष्क में छा जाते थे, जो देश की एकता के लिए लाभदायक सिद्ध हुए। विद्यार्थियों ने सरोजिनी नायडू के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रस्तुत किया उनकी कविताओं का वाचन पल्लवी, रचित और रिया

रॉय ने किया। साथ ही उनके विचारों को साझा करते हुए खुशी कुमारी ने प्रभावशाली भाषण और सुबोश्री बनर्जी ने डिक्लेमेशन प्रस्तुत किया। मंच संचालन कक्षा सातवीं की छात्रा अनम रिजवान द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या किरण यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि सरोजिनी नायडू जैसी महान विभूतियां हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है, उन्होंने छात्र-छात्राओं को महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्र की नारी शक्ति को नमन किया और उनके योगदान को आत्मसात करने का संदेश दिया।

ब्रदर्स एकेडमी के साहिल बने रांची सिटी टॉपर



रांची। ब्रदर्स एकेडमी के 380 से अधिक छात्रों ने जेई मेन परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों में साहिल आकाश - 99.98, शौर्य शर्मा - 99.91, आनंद किशोर - 99.82, रवि नारायण - 99.78, साकेत कुमार - 99.76, तान्या चौधरी - 99.72, अभिज्ञ अग्रवाल - 99.66, सौम्या गर्ग - 99.60, अनीशा कुमार चौधरी - 99.5 एवं अन्य शामिल हैं। ब्रदर्स अकादमी के निदेशक पारस अग्रवाल ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हम अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। यह उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है और हमें उम्मीद है कि वे आगामी आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इन सफल छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों ने अकादमी के प्रयासों की सराहना की है।

गौवंश की रक्षा के लिए राज्यपाल से पहल का आग्रह



रांची। राज्यपाल सतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रिंस आजमानी ने राज भवन में भेंट की तथा गौवंश की रक्षा के लिए पहल करने का आग्रह किया।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची रेल मंडल अंतर्गत सिरमटोली में चार लेन वाले पुल निर्माण को लेकर रेलवे ने ब्लॉक लगाया है। इस वजह से कई ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं और कुछ के रूट में परिवर्तन किया गया है।

इन ट्रेनों के बदले रूट

ट्रेन संख्या 13425 मालदा टाउन - सूरत एक्सप्रेस, 15 फरवरी को अपने निर्धारित मार्ग मुरी-रांची-राउरकेला के स्थान पर परिवर्तित

सिरमटोली पुल निर्माण के चलते रांची रेल मंडल में कई ट्रेनें रद्द, कई के रूट बदले

मार्ग मुरी-चाँडिल-सिनी-राउरकेला होकर चलेगी।

ट्रेन संख्या 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस, 18 फरवरी को अपने निर्धारित मार्ग मुरी-रांची-राउरकेला की जगह परिवर्तित मार्ग मुरी-चाँडिल-सिनी-राउरकेला होकर जायेगी।

ये ट्रेनें 13 से 22 फरवरी तक रद्द

ट्रेन संख्या 18628/18627

संत अल्बर्ट्स कॉलेज में नॉन फॉर्मल विद्यार्थियों के लिए भव्य वार्षिक कार्यक्रम आयोजित



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत अल्बर्ट्स कॉलेज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले नॉन फॉर्मल विद्यार्थियों/अनौपचारिक शिक्षा संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्टाफ सहित लगभग 350 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग

लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्रमुख फादर अजय कुमार खलखो ने स्वागत संबोधन में सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रदर मरियानुस विलुंग और विशिष्ट अतिथि फादर जेवियर खेस्स उपस्थित थे।

टाइटेनियम महिन्द्रा में महिन्द्रा एंड महिन्द्रा की नई इलेक्ट्रिक वाहन लांच

● एक्सईवी 9ई और बीई 6 का लांच इवेंट आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा की दो नई इलेक्ट्रिक वाहन एक्सईवी 9ई व बीई 6 का मंगलवार को टाइटैनियम महिंद्रा, ओरमांडी में लांच इवेंट का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट पवन कुमार के साथ उत्कर्ष सिंघानिया, संचित सिंघानिया, जोनल हेड, पंकज देशमुख, रीजनल सेल्स मैनेजर अभिजीत राम बानु, राहुल रघुवंसी,



चंद्र मोहन, साहिल सेठ, पंकज सोनी आदि उपस्थित थे।

पवन कुमार द्वारा दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। पवन कुमार द्वारा बताया गया कि भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड की नयी इलेक्ट्रिक गाड़ी के दो मॉडल

एक्सईवी 9ई और बीई 6 गाड़ी, जिसकी बुकिंग 14 फरवरी से शुरू होने जा रही है। बीई 6 की शुरुआती कीमत 18.90 लाख और एक्सईवी 9ई की शुरुआती कीमत 21.90 लाख से शुरू होगी। गाड़ियों की डिलीवरी मॉडल के आधार पर मार्च माह तक के मध्य शुरू होगी।

एचईसी की जमीन और भवनों को लीज पर देने का केंद्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एचईसी को अपने संसाधनों से चलाने के लिए एक बार फिर कवायद हो रही है। एचईसी की यूनिटों ने जमीन, भवन और क्वार्टर को लीज या बिक्री कर मिलने वाली राशि से एचईसी को चलाने का प्रस्ताव तैयार करने के लिए प्रबंधन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। भारी उद्योग मंत्री के इस बयान के बाद की सभी तरह के बकाया का भुगतान एचईसी को अपने संसाधन से करना होगा, के बाद यूनिटों ने प्रबंधन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। एचईसी के श्रमिक नेताओं का कहना है कि जमीन, भवन और क्वार्टर एचईसी के संसाधन हैं। खाली जमीन लीज पर देने या बेचने का अधिकार प्रबंधन को है। केंद्र सरकार ने सदन में कहा है कि एचईसी अपने संसाधन का इस्तेमाल कर सकता



है, ऐसे में अब भवन और जमीन लीज पर देने का रास्ता साफ हो गया है। इसलिए, एचईसी प्रबंधन को अब प्रस्ताव भेजना होगा और अपने संसाधन का इस्तेमाल कर सभी देनदारियां का निपटारा करना होगा।

पहले केंद्र ने नहीं दी थी इजाजत

प्रबंधन ने अपने संसाधनों का इस्तेमाल करने के पूर्व में केंद्र सरकार से भी इजाजत मांगी है, लेकिन प्रबंधन का प्रस्ताव को केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया। एनटीपीसी ने एचएमटीपी के भवन और खाली जमीन लीज पर मांगा था। इसके अलावा कई बैंक, तेल

जेसीआई ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची। जेसीआई ने



लालपुर स्थित हरिओम टावर में रक्तदान शिविर का आयोजन गुरुवार को किया। शिविर में 40 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। अध्यक्ष प्रतीक जैन ने साल के पहले रक्तदान शिविर की शुरुआत की। मौके पर उन्होंने कहा कि हमें नियमित तौर पर रक्तदान करना चाहिए। शिविर का संचालन नितिन पोद्दार और साहित्य पवन ने किया। मौके पर किशन अग्रवाल, वीपी कम्युनिटी के अभिषेक जैन, स्क्रैटरी सनी केडिया मौजूद थे।

विशेष लोक अदालत में होगा विवाह व चेक अनादरण वादों का निस्तारण : कविता खाती

रांची। भलगुटवा



पंचायत पवन में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ कविता कुमारी खाती, पीएलवी रिना लिंडा, सनम कुमारी, तनवीर अंसारी, रीता कुमारी महली, फुलमनी देवी एवं रीना देवी उपस्थित थे। एलएडीसी डिपुटी चीफ कविता कुमारी खाती ने कहा कि 22 फरवरी को व्यवहार न्यायालय में विवाह व एन.आई.एक्ट वादों के संबंध में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। इस अवसर पर पीएनबी प्रधान कार्यालय, दिल्ली से सहायक महाप्रबंधक, विपुल कुमार वर्मा भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस एक्सपो का संचालन पीएनबी रांची के उप मंडल प्रमुख नितिन कुमार बंका द्वारा की गई। इस एक्सपो का उद्देश्य ग्राहकों के व्यवसायिक सपनों को सशक्त बनाने, व्यवसाय हेतु विशेष एमएसएमई उत्पादों और योजनाओं की जानकारी प्रदान करने, डिजिटल माध्यम से पीएनबी जीएसटी एक्सप्रेस और पीएनबी ट्रेड ग्रोथ जैसे एमएसएमई ऋण तुरंत स्वीकृति प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर सीएससी प्रमुख रोशन कुमार, मंडल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक श्रावेश कुमार झा, पीएलपी प्रमुख परविंदर कुमार, मुख्य प्रबंधक साकेत कुमार और शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पंजाब नेशनल बैंक रांची मंडल ने किया एमएसएमई ऋण एक्सपो का आयोजन

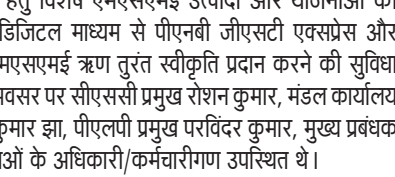
रांची। पंजाब नेशनल



बैंक रांची मंडल के द्वारा गुरुवार एमएसएमई ऋण एक्सपो का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवजय आनन्द मुनका, अध्यक्षचेंबर ऑफ कॉमर्स, पूर्वी सिंहभूम के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर पीएनबी प्रधान कार्यालय, दिल्ली से सहायक महाप्रबंधक, विपुल कुमार वर्मा भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस एक्सपो का संचालन पीएनबी रांची के उप मंडल प्रमुख नितिन कुमार बंका द्वारा की गई। इस एक्सपो का उद्देश्य ग्राहकों के व्यवसायिक सपनों को सशक्त बनाने, व्यवसाय हेतु विशेष एमएसएमई उत्पादों और योजनाओं की जानकारी प्रदान करने, डिजिटल माध्यम से पीएनबी जीएसटी एक्सप्रेस और पीएनबी ट्रेड ग्रोथ जैसे एमएसएमई ऋण तुरंत स्वीकृति प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर सीएससी प्रमुख रोशन कुमार, मंडल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक श्रावेश कुमार झा, पीएलपी प्रमुख परविंदर कुमार, मुख्य प्रबंधक साकेत कुमार और शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सरला बिरला के छात्रों का जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। सरला बिरला



पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जेईई मेन्स 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, सक्षम गोयल ने 99.84 पर्सेंटाइल, शिवम मिश्रा 98.81 पर्सेंटाइल, रूपेश आनंद 98.33 पर्सेंटाइल, शानी स्नेहल 95.92 पर्सेंटाइल, अन्वेषा अग्रवाल 94.77 पर्सेंटाइल, पलक बागला 94.46 पर्सेंटाइल, वैष्णवी सिंह 92.16 पर्सेंटाइल, मृत्युंजय अरमान 91.21 पर्सेंटाइल, चपिती अनिरुद्ध 91.10 पर्सेंटाइल, स्पर्श रंजन 90.68 पर्सेंटाइल और अभिषेक कुमार आयुष ने 90.13 पर्सेंटाइल हासिल कर स्कूल की शान बढ़ाई है। प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों की इस उपलब्धि की सराहना की और उन्हें जेईई एडवांस के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव को लेकर सुंदरकांड का आयोजन

रांची। श्री श्री श्याम



निशान अमृत महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से महोत्सव का शुभारंभ श्री गणेश पूजन, श्री श्याम भूष एवं हनुमान जी महाराज का निशान पूजन के साथ पूजा 10:00 बजे से किया गया। संख्या 6:00 बजे से श्री सुरेश बाजा के नेतृत्व में सस्वर पुरुष एवं महिलाओं द्वारा समीतमय तथा भावपूर्ण सुन्दर काण्ड का पाठ किया गया। जिसमें श्री हनुमान जी के भजन- वानर बाकों रे लंका नगरी थारे झाझ नागाड़ा बाजे रे सालासर के मंदिर में..... जैसे भजनों का रसाखानद सभी भक्तों द्वारा किय गया। इस मौके पर अध्यक्ष श्रवण जालान, मंदू जालान, पवन शर्मा, कमल जालान, जयदीप राज, अजय वशिष्ठ, आशीष शर्मा, पंकज शर्मा, बालचंद जैन, तथा महोत्सव संयोजक प्रकाश दालानिया आदि मौजूद थे। ये जानकारी अमित चौधरी ने दी।

श्री श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव को लेकर सुंदरकांड का आयोजन

रांची। श्री श्री श्याम



निशान अमृत महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से महोत्सव का शुभारंभ श्री गणेश पूजन, श्री श्याम भूष एवं हनुमान जी महाराज का निशान पूजन के साथ पूजा 10:00 बजे से किया गया। संख्या 6:00 बजे से श्री सुरेश बाजा के नेतृत्व में सस्वर पुरुष एवं महिलाओं द्वारा समीतमय तथा भावपूर्ण सुन्दर काण्ड का पाठ किया गया। जिसमें श्री हनुमान जी के भजन- वानर बाकों रे लंका नगरी थारे झाझ नागाड़ा बाजे रे सालासर के मंदिर में..... जैसे भजनों का रसाखानद सभी भक्तों द्वारा किय गया। इस मौके पर अध्यक्ष श्रवण जालान, मंदू जालान, पवन शर्मा, कमल जालान, जयदीप राज, अजय वशिष्ठ, आशीष शर्मा, पंकज शर्मा, बालचंद जैन, तथा महोत्सव संयोजक प्रकाश दालानिया आदि मौजूद थे। ये जानकारी अमित चौधरी ने दी।



सड़क हादसों की चिंता

देश की इन कातिल सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए।यह आंकड़ा भयावह है और इस गंभीरता को संबोधित करने की जरूरत बताता है। दरअसल, वर्ष 2014 से 2023 के बीच सड़क हादसों में 15.3 लाख लोग मारे गए। सड़क हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सड़क निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। देश में सड़क सुरक्षा को लेकर मानवीय लापरवाही सबसे बड़ा कारण है जिसका निदान निकालने की आवश्यकता है।



मेघ : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझें जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु : व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर : शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मोटा होता है अतुरुधैर्य रखें व अच्छे समय इंतजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

योग -भक्ति के पुरोधा स्वामी निरंजनानंद

बगैर शोर-शराबे के योग-संस्कृति को फैलानेवाले स्वामी निरंजनानंद आत्मप्रचार से हमेशा दूर रहे। आज 14 फरवरी को उनका जन्म दिवस है। स्वामीजी ने अपने गुरु स्वामी सत्यानंद द्वारा स्थापित मुंगेर स्थित बिहार योग विद्यालय को श्रेष्ठ संस्थान बना दिया है। साथ ही रखिया पीठ को उच्च स्थान पर बनाये रखा है। योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य के लिए पद्मविभूषण अलंकरण से भी सम्मानित किया जा चुका है।

बात 1956 की है। जब स्वामी निरंजनानंद के गुरु स्वामी सत्यानंद ऋषिकेश स्थित स्वामी शिवानंद के आश्रम मे रह रहे थे। उन्होंने स्वामी सत्यानंद को अपने पास बुलाया और कहा कि तुम्हारा जाने का समय आ गया है. जाओ। दुनिया में परिव्राजक की तरह घूमो. दुनिया को योग सिखाओ।

स्वामी सत्यानंद संसार के लिए निकले. 1963 तक परिव्राजक की तरह भ्रमण करते रहे। स्वामी सत्यानंद को बीस साल मिले और इस अवधि में दुनिया को सत्यानंद के जरिये योग मिला।

इन्हीं बीस सालों में मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई, जहां से निकल कर सत्यानंद पूरी दुनिया में जाते थे और पूरी दुनिया से लोग निकल कर बिहार योग विद्यालय पहुंचते थे। एक से एक प्रामाणिक, वैज्ञानिक योग ग्रंथों का प्रकाशन हुआ. बीसवीं सदी में योग का जो पुनर्जागरण हुआ था, बिहार योग विद्यालय उसका केंद्र बन गया और स्वामी सत्यानंद सूत्रधार।

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा महाद्वीप होगा, जहां स्वामी सत्यानंद ने योग का बीज न बोया हो। अरब से लेकर अमेरिका तक. अफ्रीका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक. स्वामी शिवानंद का परिव्राजक संन्यासी पूरी दुनिया में घूम घूमकर योग बीज बो रहा था, जो आगे चल कर पुष्पित और पल्लवित होनेवाला था। चार साल के स्वामी निरंजन इसी दैवीय योजना का हिस्सा होकर बिहार स्कूल ऑफ योगा पहुंचे थे।

1964 बिहार स्कूल ऑफ योगा और स्वामी निरंजन दोनों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण साल है। इसी साल मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई और इसी साल चार साल के निरंजन योग विद्यालय में प्रविष्ट हुए। छत्तीसगढ़ के राजनांदांगव में 14 फरवरी, 1960 को जन्मे स्वामी निरंजनानंद की जीवनदिशा उनके गुरु स्वामी सत्यानंद द्वारा निर्दिशित रही। यहां उन्हें गुरु ने योगनिद्रा के माध्यम से योग और अध्यात्म का प्रशिक्षण दिया। कम उम्र में ही वे इतने योग्य हो चुके

योग -भक्ति के पुरोधा स्वामी निरंजनानंद



थे कि स्वामी सत्यानंद ने उन्हें दशनामी संन्यास परंपरा में दीक्षित करने के बाद काम पर लगा दिया। उन्हें विदेशों में योग केंद्रों की स्थापना करनी थी। जहां योग केंद्र स्थापित

थे सिर्फ इन योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि वे अपने स्कूलों में लौट कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकें। बाद में यह आंदोलन 'रिसर्च ऑन योगा इन सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया के ग्लेडमैन मेमोरियल सेंटर के जापानी डॉ टॉड मिकुरिया ने उन पर ध्यान संबंधी शोध किये। जिस समय स्वामी निरंजनानंद विदेश के लिए निकले, तो उस समय स्वामी सत्यानंद के योग आंदोलन के परिणामस्वरूप केवल फ्रांस में 77 हजार पंजीकृत योग शिक्षक थे। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी संख्या थी।

हो चुके थे, उनके संचालन को भी सुनिश्चित करना था। उन्हें न सिर्फ योग समझना था, बल्कि दुनिया की विविध संस्कृतियों को समझना भी था। सांस्कृतिक एकता के यौगिक सूत्रों की खोज करनी थी. अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक। वहां उन्होंने विशेष तौर पर ध्यान और प्राणायाम के क्षेत्र में अनुसंधान का काम अरफ़ा रिसर्च के लिए 'नोबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ जो कामिया के साथ काम किया।

सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया के ग्लैडमैन मेमोरियल सेंटर के जापानी डॉ टॉड मिकुरिया ने उन पर ध्यान संबंधी शोध किये। जिस समय स्वामी निरंजनानंद विदेश के लिए निकले, तो उस समय स्वामी सत्यानंद के योग आंदोलन के परिणामस्वरूप केवल फ्रांस में 77 हजार पंजीकृत योग शिक्षक थे। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी संख्या थी। उन दिनों

ये सिर्फ इन योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि वे अपने स्कूलों में लौट कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकें। बाद में यह आंदोलन 'रिसर्च ऑन योगा इन

क्या आपका पहला वेलेंटाइन डे है? क्या करें, क्या न करें

सुधांशु कुमार	वेलेंटाइन डे
पहला वेलेंटाइन डे हमेशा याद रहता है और जीवन की दिशा भी तय करता है। इस दिन लड़का और लड़की दोनों की धड़कनें तेज हो जाती हैं, लड़का जहां कैसे कहीं की उलझने से जुझता रहता है लड़की रिश्ते की नईदुनिया में प्रवेश करने से पहले हिचक भी रही है साथ ही कदम आपको सावधान करती रहेगी कि प्यार सच्चा है या झूठा।	पहला वेलेंटाइन डे का सबसे बड़ा फायदा गिफ्ट और दिन पर टाल दें। वेलेंटाइन डे इसके लिए उचित दिन नहीं है।
प्यार की अभिव्यक्ति के लिए सुरक्षित इस दिन किया गया कमिटमेंट ज्यादा झाम्पाई होकर मुंह के बल औंधा गिर भी सकता है। इसलिए इस अभिव्यक्ति को सही लम्हे के सामने आने तक इंतजार करें।	उठाई गई महत्वपूर्ण बात खोखली नजर आती है। इसलिए अपनी रिलेशनशिप का भविष्य तय करने जितनी गंभीर बात किसी आपके धीरज की परीक्षा होती है। जिस लिए उचित दिन नहीं है।
मझे तुमसे बात करना है हमने ऐसे हजारों किस्से सुनें है जब दो प्रेमी आपस में भविष्य की 'बात' करने बैठते हैं तो बात बहस में तब्दील हो जाती है और कई बार हमेशा के लिए ब्रेकअप भी हो जाता है। किसी गलत समय पर	मैं वेलेंटाइन डे की परवाह नहीं करता या करती हम सभी यह जानते हैं कि वेलेंटाइन डे का सबसे बड़ा फायदा गिफ्ट और दिन पर टाल दें। वेलेंटाइन डे इसके लिए उचित दिन नहीं है।
अपनी गलतियों को सही लम्हे के सामने आने तक इंतजार करें।	मैं वेलेंटाइन डे की परवाह नहीं करता या करती हम सभी यह जानते हैं कि वेलेंटाइन डे का सबसे बड़ा फायदा गिफ्ट और दिन पर टाल दें। वेलेंटाइन डे इसके लिए उचित दिन नहीं है।
मझे तुमसे बात करना है हमने ऐसे हजारों किस्से सुनें है जब दो प्रेमी आपस में भविष्य की 'बात' करने बैठते हैं तो बात बहस में तब्दील हो जाती है और कई बार हमेशा के लिए ब्रेकअप भी हो जाता है। किसी गलत समय पर	मैं वेलेंटाइन डे की परवाह नहीं करता या करती हम सभी यह जानते हैं कि वेलेंटाइन डे का सबसे बड़ा फायदा गिफ्ट और दिन पर टाल दें। वेलेंटाइन डे इसके लिए उचित दिन नहीं है।

परीक्षा पर चर्चा विशेष: हमेशा जीवन बोलना चाहिए, मार्क्स नहीं

प्रियंका सौरभ	एग्जाम अलर्ट
तनाव कम करने पर विशेष जोर दिया गया था। परीक्षा पर चर्चा 2025 कार्यक्रम में सद्गुरु (आध्यात्मिक नेता), दीपिका पादुकोण (अभिनेत्री), विक्रान्त मैसी (अभिनेता), मैरी कॉम (ओलंपिक चैंपियन, बॉक्सर) और अवनी लेखरा (पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता) जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति शामिल हुए। इन प्रतिष्ठित अतिथियों ने तनाव प्रबंधन, उद्देश्यों को पूरा करने और प्रेरणा बनाए रखने पर अपने अनुभव और व्यावहारिक विचार साझा किए।	इस पहल के निरंतर प्रभाव को दशताई है। पीएम मोदी के अनुसार, कक्षा 10 और 12 में 40-50% छात्र असफल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह उनका अंतिम उद्देश्य है। शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता और असफलता के बीच अंतर को पहचानना महत्वपूर्ण है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो दिन के अंत में अपनी गलतियों पर विचार करते हैं और उनमें सुधार करते हैं; छात्रों को भी ऐसा ही करना चाहिए। उनके अनुसार, आपका जीवन वही है जो आपके अंक बताते हैं, न कि आप। पीएम ने छात्रों को दबाव को नजरअंदाज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज की तरह जो स्ट्रेडियम के शोर और नारों को नजरअंदाज कर गेंद पर ध्यान केन्द्रित करता है, छात्रों को भी तनाव के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।
नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा पर चर्चा 2025 के आठवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। यह वार्षिक आयोजन छात्रों को परीक्षा की चिंता, करियर प्लानिंग और व्यक्तिगत विकास जैसे मुद्दों पर बात करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष के आयोजन के लिए 330 करोड़ से अधिक छात्रों, 2071 लाख शिक्षकों और 551 लाख अभिभावकों ने पंजीकरण कराया है, जो देश के युवाओं पर	असफलता जीवन के अंत का संकेत नहीं है। आप जीवन में सफल होना चाहते हैं या कितानों के माध्यम से, यह आप पर निर्भर करता है। अपनी सभी असफलताओं को शिक्षण के अवसर में बदलना जीवन में सफलता प्राप्त करने की एक रणनीति है। अपनी गलतियों को अपने शिक्षण के क्षण बनाएं। जीवन केवल परीक्षा नहीं है। इसे समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। हमें कुछ खासियतें देने के अलावा भगवान ने हमारी कुछ खामियां भी रखी हैं। खूबियों पर ध्यान दें। आपसे यह नहीं पूछा जाएगा कि आपको 10वीं और 12वीं कक्षा में कितने ग्रेड मिले। यह जीवन होना चाहिए, न कि अंक। रटने की शिक्षा के विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने समग्र शिक्षा और रचनात्मक शिक्षा के महत्त्व पर जोर दिया। छात्रों से साफ्ट स्किल सीखने और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया गया। प्रधानमंत्री ने छात्रों को

एग्जाम अलर्ट	एग्जाम अलर्ट
इस पहल के निरंतर प्रभाव को दशताई है। पीएम मोदी के अनुसार, कक्षा 10 और 12 में 40-50% छात्र असफल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह उनका अंतिम उद्देश्य है। शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता और असफलता के बीच अंतर को पहचानना महत्वपूर्ण है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो दिन के अंत में अपनी गलतियों पर विचार करते हैं और उनमें सुधार करते हैं; छात्रों को भी ऐसा ही करना चाहिए। उनके अनुसार, आपका जीवन वही है जो आपके अंक बताते हैं, न कि आप। पीएम ने छात्रों को दबाव को नजरअंदाज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज की तरह जो स्ट्रेडियम के शोर और नारों को नजरअंदाज कर गेंद पर ध्यान केन्द्रित करता है, छात्रों को भी तनाव के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।	असफलता जीवन के अंत का संकेत नहीं है। आप जीवन में सफल होना चाहते हैं या कितानों के माध्यम से, यह आप पर निर्भर करता है। अपनी सभी असफलताओं को शिक्षण के अवसर में बदलना जीवन में सफलता प्राप्त करने की एक रणनीति है। अपनी गलतियों को अपने शिक्षण के क्षण बनाएं। जीवन केवल परीक्षा नहीं है। इसे समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। हमें कुछ खासियतें देने के अलावा भगवान ने हमारी कुछ खामियां भी रखी हैं। खूबियों पर ध्यान दें। आपसे यह नहीं पूछा जाएगा कि आपको 10वीं और 12वीं कक्षा में कितने ग्रेड मिले। यह जीवन होना चाहिए, न कि अंक। रटने की शिक्षा के विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने समग्र शिक्षा और रचनात्मक शिक्षा के महत्त्व पर जोर दिया। छात्रों से साफ्ट स्किल सीखने और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया गया। प्रधानमंत्री ने छात्रों को

ले गये, लेकिन साथ ही साथ वे समूचे विश्व में स्वामी सत्यानंद के बीजारोपण की माली की तरह रखवाली भी करते रहे। वर्ष 1993 के विश्वयोग सम्मेलन के बाद गंगा दर्शन में बाल योग मित्र मंडल की स्थापना की गयी. इसका आरंभ मुंगेर के सात छोटे बच्चों से किया गया और आज मुंगेर शहर में ही बाल योग मित्र मंडल 5000 से अधिक प्रशिक्षित बच्चे योग शिक्षक हैं। मुंगेर में यह संख्या 35 हजार और पूरे भारत में 1,50000 हैं। इन बच्चों ने तीन आसनों, दो प्रणायामों,शिथिलीकरण एवं धारणा के एक-एक अभ्यास का चयन किया।

दरअसल स्वामी सत्यानंद सरस्वती का स्पष्ट दृष्टिकोण था कि यदि हम बच्चों तक पहुंच पाते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता और प्रतिभा में सुधार ला पाते हैं, तो वे अपनी रचनात्मकता का अधिकतम उपयोग कर अपने भावी जीवन के तनावों और संघर्षों का सामना बेहतर ढंग से कर पायेंगे। तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दो बार मुंगेर बच्चों के कार्यक्रम में आये. उन्होंने मुंगेर को योगनगरी की संज्ञा दी।

स्वामी निरंजनानंद ने वर्ष 1994 में विश्व के प्रथम योग विश्वविद्यालय, बिहार योग भारती की तथा वर्ष 2000 में योग पब्लिकेशन ट्रस्ट की स्थापना की. मुंगेर में विभिन्न गतिविधियों के संचालन के साथ उन्होंने दुनिया भर के साधकों का मार्गदर्शन करने हेतु व्यापक रूप से यात्राएं की.

वर्ष 2009 में गुरु के आदेशानुसार संन्यास जीवन का एक नया अध्याय आरंभ किया. योग दर्शन, अभ्यास एवं जीवनशैली की गहन जानकारी रखनेवाले स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योग, तंत्र, उपनिषद पर अनेक प्रामाणिक पुस्तकें लिखी हैं. योग का मानव प्रतिभा के रूप में किस प्रकार इस्तेमाल हो, इसके लिए निरंतर प्रत्यनशील हैं. उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि प्रचार में विश्वास न कर काम में यकीन करते हैं। वर्ष 2013 के विश्वयोग सम्मेलन के बाद उन्होंने भारत यात्रा का एलान किया और वर्ष 2014 के लिए चार जगहें चुनी गयीं- काठमांडू, मुंबई, कोलकाता और दिल्ली. इन चारों जगहों पर योगोत्सव का आयोजन किया गया। अपनी तरह की यह पहल कुछ ऐसी ही अनूठी है, जैसे साठ या सत्तर के दशक में स्वामी सत्यानंद ने विदेशों में की थी. वहां लोगों को योग से परिचय की जरूरत थी, लेकिन भारत में स्वयं की विस्मृति बहुत भयावह हो चली है। खासकर महानगरो में सभ्य हो जाने के बाजारू अंधानुकरण में

संन्यास जीवन का एक नया अध्याय आरंभ किया. योग दर्शन, अभ्यास एवं जीवनशैली की गहन जानकारी रखनेवाले स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योग, तंत्र, उपनिषद पर अनेक प्रामाणिक पुस्तकें लिखी हैं. योग का मानव प्रतिभा के रूप में किस प्रकार इस्तेमाल हो, इसके लिए निरंतर प्रत्यनशील हैं. उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि प्रचार में विश्वास न कर काम में यकीन करते हैं। वर्ष 2013 के विश्वयोग सम्मेलन के बाद उन्होंने भारत यात्रा का एलान किया और वर्ष 2014 के लिए चार जगहें चुनी गयीं- काठमांडू, मुंबई, कोलकाता और दिल्ली. इन चारों जगहों पर योगोत्सव का आयोजन किया गया। अपनी तरह की यह पहल कुछ ऐसी ही अनूठी है, जैसे साठ या सत्तर के दशक में स्वामी सत्यानंद ने विदेशों में की थी. वहां लोगों को योग से परिचय की जरूरत थी, लेकिन भारत में स्वयं की विस्मृति बहुत भयावह हो चली है। खासकर महानगरो में सभ्य हो जाने के बाजारू अंधानुकरण में



स्पीड न्यूज

होली के बाद शुरू होगा सिलाई और कंप्यूटर प्रशिक्षण : जगेश्वर प्रजापति



कुजू। बोंगावार स्थित मोती राम कॉम्प्लेक्स में उज्ज्वला फाउंडेशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति व संचालन शांति देवी ने किया। बैठक में सदस्यों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि फाउंडेशन में सिलाई मशीन व कंप्यूटर आ चुका है। जल्द ही फाउंडेशन के माध्यम से महिलाओं को जोड़कर उनको आत्म निर्भन बनाने की दिशा में पहल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने फाउंडेशन से ही ऐसे सदस्यों को चिन्हित करने की बात कही जो सिलाई मशीन व कंप्यूटर चला सके। उन्होंने महिलाओं को 28 फरवरी तक महिलाओं की सूची जमा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन में अब सक्रिय महिलाओं को आगे ले जाकर उनको आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल किया जायेगा . वही उन्होंने बताया कि होली के बाद कॉम्प्लेक्स में सिलाई व कंप्यूटर का प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। बैठक में मनसरी देवी, आशा कुमारी, कौशल्या देवी, शांति देवी, सुमन देवी, वीणा कुमारी, बरखा कुमारी, खुशबू कुमारी, यशोदा देवी, सुशीला देवी, संजू देवी, छोटन प्रजापति आदि शामिल थे।

कुजू में घायल पत्नी का भी निधन

कुजू। सेवटा रजवार टोला में 7 फरवरी को पति द्वारा फरसा से वार कर गंभीर रूप घायल पत्नी शांति देवी की मौत गुरुवार को इलाज के दौरान हो गयी। निधन की सूचना के बाद क्षेत्र में मातम पसर गया। रिस्स रांची से महिला का शव घर पहुंचने के बाद स्थानीय लोगों ने शोक व्यक्त किया। साथ ही, पुत्र राहुल रजवार ने सेवटा नदी तट पर मां शांति देवी (50 वर्ष) का अग्नि संस्कार किया। ज्ञात हो कि गत शुक्रवार को पति राजू रजवार (उम्र 60 वर्ष) ने मामूली विवाद में घर में बर्तन धो रही अपनी दूसरी पत्नी शांति देवी (50 वर्ष) को हत्या के इरादे से फरसे से वारकर बुरी तरह घायल कर दिया था और खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

प्रदूषण से लोग परेशान : राजेश ठाकुर

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि रामगढ़ शहर में लोग दिन प्रतिदिन प्रदूषण के आगोश में जा रहे हैं। शहर में ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण कुछ फैक्ट्री द्वारा मनमानी रूप से चलाया जा रहा है। कहा कि इसपर प्रशासन ध्यान नहीं दे रही है। कहा कि प्रदूषण पूरे शहर में फैलाया जा रहा है। प्रदूषण से पूरे शहर के लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। कहा कि यदि इसे जल्द से जल्द नही रोका गया तो जिला के उपायुक्त और झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिख कर मामले में कार्रवाई की मांग की जाएगी।

कुष्ठ रोग की दी गयी जानकारी



रामगढ़। रामगढ़ जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ तुलिका रानी की अध्यक्षता में गुरुवार को कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में कुष्ठ रोग से संबंधित जानकारी दी गयी। वहीं 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्वर्श कुष्ठ जागरूकता कार्यक्रम एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान के तहत एनएसआरआईएफ डॉ सानिथ्य भार्गव, एनएलआर कोऑर्डिनेटर डॉ काशीनाथ चक्रवर्ती ने मार्गदर्शन दिया। डॉ तुलिका रानी जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी ने कहा कि वैसे व्यक्ति जिनके शरीर पर कोई दाग-धब्बा जो कि सुन्न हो, कुष्ठ का संभावित मरीज हो सकता है। इसकी सूचना तत्काल प्राथमिक स्वा केन्द्र को देनी चाहिए, जिससे पूर्ण उपचार हो सके, साथ ही कुष्ठ रोग घर-घर खोज अभियान चलाया जाना है जो हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा, सहिय, दीदी सहिया)। संदिग्ध कुष्ठ मामलों का जल्द से जल्द पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। अतः इससे बचाव से संबंधित जागरूकता पर कहा कि कुष्ठ रोग अभिशाप नहीं है, यह एक विषाणु माईको बैक्टेरियम लेपि द्वारा होता हैं। जो नियमित दवा की सेवन से पुर्णतः रोग मुक्त हो जाता है एवं विकलांगता से बचा जा सकता हैं। जिला कार्य चिकित्सक सावन कुमार ठाकुर ने कहा कि सभी प्रखण्डों में कुष्ठ रोग खोज अभियान चलाया जा रहा है।

सिल्वर स्क्रीन पर मानवीय मूल्यों की गिरावट : मनीष जायसवाल

रामगढ़। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने सिल्वर स्क्रीन और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर अपनी संवेदना जाहिर की है। गुरुवार को उन्होंने कहा है कि आज सिल्वर स्क्रीन पर मानवीय मूल्यों की गिरावट हो रही है। उन्होंने कहा कि समाज के इन बिंदुओं पर भी चर्चा आवश्यक है। सांसद ने कहा कि अवसर में ऐसे चर्चाओं व फूहड़ कार्यक्रमों से दूर रहता हूँ, लेकिन जब यह मामला बढ़ा हुआ तो सोचा कि एक बार सुनु की इन तथाकथित कॉमेडी कलाकारों ने आखिर क्या कहा है। लेकिन जब सुना तो विश्वास नहीं हुआ की ऐसे विकृत मानसिकता वाले लोग आज समाज में कुछ युवाओं के आइडल बने हुए हैं। लेकिन मेरी समझ में वो कॉमेडी नहीं बल्की समाज में गिरते मूल्यों की निशानी है। जायसवाल ने कहा कि यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया, सोशल मीडिया इम्पलुप्सर अर्पुव मखीजा, कॉमेडियन समथ रैना और शो इंडियाज गॉट लेटेस्ट जैसे शो विकृत मानसिकता के परिचायक है। कॉमेडी और जस्ट फन के नाम पर समथ रैना, रणवीर इलाहाबादी, अपूर्वा मखीजा ये तीनों भारतीय संस्कृति के मजबूत स्तंभ संयुक्त परिवार के लिए घातक है।

शहीद कैप्टन की अंतिम यात्रा में उमड़ा हजारीबाग

नम आंखों से करमजीत सिंह बक्शी को दी गयी अंतिम विदाई



थम नहीं रहे थे करमजीत सिंह बक्शी के माँ की आंखू

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। वीरता और बलिदान की मिसाल कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी ने देश की रक्षा में अपना जीवन न्योछावर कर दिया। 28 वर्षीय करमजीत, जिनकी शादी अगले महीने तय थी, जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में पेट्रोलिंग के दौरान आईईडी ब्लास्ट में शहीद हो गए। बुधवार को उनके पार्थिव शरीर के हजारीबाग पहुंचते ही पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। जहां से भी उनका अंतिम सफर गुजरा, वहां लोगों ने फूलों की बारिश कर अपने बेटे को श्रद्धांजलि

दी। जब तक सूरज चांद रहेगा, करमजीत सिंह बक्शी का नाम रहेगा जैसे नारों से हर गली और चौक गुंज उठा।

शहर ने रोते हुए बेटे को विदाई दी : उनका पार्थिव शरीर जुनु पार्क स्थित उनके पैतृक आवास पर पहुंचा, जहां हजारों लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। भारत माता के जयकारों और नम आंखों के साथ उनकी अंतिम यात्रा खिरगांव स्थित मुक्तिधाम तक पहुंची। सेना और पुलिस के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी, और उनके पिता अंजिनदर सिंह बक्शी ने मुखाग्नि दी।



सेना के जवानों ने शहीद को दी विदाई।

पूरे शहर ने जताया शोक : अंतिम संस्कार के दौरान शहर के बाजार और प्रतिष्ठान बंद रहे। उपायुक्त नैसी सहाय, एसपी अरविंद कुमार सिंह, विधायक प्रदीप प्रसाद समेत सिख समाज और हजारों स्थानीय लोग शहीद को अंतिम विदाई देने पहुंचे। जब तक उनका शरीर पंचतत्व में विलीन नहीं हुआ, लोग वहीं डटे रहे।

बलिदान की भावुक कहानी : गुरु सिंह सभा के सचिव देवेंद्र सिंह बग्गा ने बताया कि करमजीत सिंह बक्शी की शादी 5 अप्रैल को तय थी। वे कुछ दिनों पहले शादी की तैयारियों के लिए घर आए थे और 29 मार्च से

रस्में शुरू होनी थीं। लेकिन देश के प्रति अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देते हुए वे ड्यूटी पर लौट गए और शहीद हो गए।

हजारीबाग के लिए अपूरणीय क्षति: कैप्टन करमजीत माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। उनके जाने से केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे हजारीबाग में शोक की लहर है। उनके बलिदान ने साबित कर दिया कि वे सच्चे सपूत थे, जिन्होंने देश के लिए अपनी जिंदगी कुर्बान कर दी। बक्शी की वीरता और त्याग को देश हमेशा याद रखेगा। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम का सबक देता रहेगा।

इचाक में कृषक मित्रों की बैठक

इचाक। प्रखंड परिसर के सूचना तकनीकी केंद्र में कृषक मित्रों की बैठक कृषि पदाधिकारी विनोद कुमार रवि की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई। संचालन बिटीएम पुष्पा कुमारी ने किया। बैठक में 15 फरवरी को गोरिया करमा कृषि फार्म में लगने वाला प्रमंडल स्तरीय कृषि मेला में किसानों के उत्पाद को प्रदर्शन हेतु ले जाने को लेकर क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने पर जोर दिया गया। बैठक में सलाहकार समिति अध्यक्ष दिगम्बर कुमार मेहता एटीएस शैलेंद्र कुमार, किसान मित्र रामजय मेहता, रंजीत कुमार मेहता, संजीत कुमार सोनी, महेंद्र प्रसाद मेहता आदि मौजूद थे।

चौकीदार के मौत मामले में यूडी का मामला दर्ज कटकमसांडी। चौकीदार नेपाली की मौत के मामले में कटकमसांडी थाना में बीते बुधवार को यूडी का मामला दर्ज किया गया।

बरही डीएवी स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता हुआ। प्रतियोगिता में कक्षा एक से कक्षा 10 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कक्षा एक और कक्षा दो की प्रतियोगिता में मो अलीजैद को प्रथम, फातिमा को द्वितीय और चंदन कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कक्षा तीन से कक्षा पांच तक में पोहू कुमारी को प्रथम, निशु को द्वितीय और समृद्धि तृतीय स्थान मिला।

प्रेमिका के साथ पकड़ा गया पति, थाने पहुंची पत्नी

रामगढ़। गुरुवार को एक महिला ने अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ उसके घर में ही पकड़ लिया। इसके बाद यह पूरा मामला थाने पहुंचा। पति और उसकी प्रेमिका दोनों पुलिस की हिरासत में पहुंच गए। यह पूरी घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पीछे एक घर में घटी है। पुलिस की हिरासत में मौजूद प्रेमी भीम सिंह कुशवाहा और उसकी



बक्शी को नमन कर रहे हैं। कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी को सैन्य अस्पताल में सैन्य अधिकारियों ने श्रद्धांजली दी। रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय



कुमार ने भी पुष्प चक्र अर्पित कर कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी को श्रद्धांजली दी। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को पुलिस और सैन्य अधिकारियों की निगरानी में हजारीबाग ले जाया गया।

रामगढ़ बस स्टैंड के पीछे दोनों जीने मरने की र्खा रहे थे कसम

प्रेमिका कांति देवी एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसम खा रहे थे। इसी दौरान भीम की पत्नी संध्या कुमारी वहां पहुंची और उन दोनों को रगे हाथों पकड़ा। उसने भीम और कांति को कमरे के बाहर बंद कर दिया और पूरे मोहल्ले को जुटाया। संध्या ने पुलिस को बताया कि उसके पति

भीम सिंह कुशवाहा पर पिछले पांच महीना से शक हो रहा था। वेलेंटाइन वीक के दौरान उसने अपने पति का पीछा किया। गुरुवार को जब उसका पति भीम प्रेमिका कांति देवी से मिलने के लिए उसके घर पहुंचा, तो उसने उसे वहां देख लिया।आसपास के लोग वहां इकट्ठा हुए, तभी संध्या कुमारी ने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया।

सरकार का नारी सशक्तिकरण छलावा : साजिदा

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। लंपगा पंचायत भवन में गुरुवार को झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका कर्मचारी संघ की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सुनैना देवी व संचालन प्रभा देवी ने की। बैठक में प्रदेश प्रभारी इन्तिबाज अहमद, प्रदेश अध्यक्ष संजीदा खातुन और प्रदेश संयोजक मंडल उपाध्यक्ष सहजनाथ बेदिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष संजीदा खातून् ने झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की झारखंड सरकार एक तरफ मईयां सम्मान योजना के नाम पर महिला सशक्तिकरण की बात करती है तो दूसरी ओर सेविका सहायिकाओं का पिछले एक वर्ष से उनका मानदेय का भुगतान रोके हुई है। जिससे सभी सेविका साहिकाओं को आर्थिक संकट से गुजारना पड़ रहा है।

सजीदा खातुन ने कहा कि मैं सरकार से पूछना चाहती हूं क्या सेविका सहायिका नारी नहीं है। सरकार दोहरी मापदंड के तहत नारी सशिक्तीकरण पर



लपंगा में झारखंड आंगनवाड़ी सेविका- सहायिका कर्मचारी संघ की बैठक में उपस्थित महिलाएं।

छलवा करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा की इस बैठक के माध्यम से संघ सरकार से मानदेय का भुगतान यथाशीघ्र करने की मांग करती है।इसके बाद भी सरकार अगर मानदेय का भुगतान नहीं करती है तो आंगनबाड़ी संघ आन्दोलन करने को बाध्य होगी। जिसकी सारी जवाबदेही राज्य सरकार व जिला प्रशासन की होगी। बैठक में सात मांगो को लेकर चर्चाएं की गईं। जिसमें सेविक- साहिकाओ का

स्थाईकरण करना, प्रत्येक माह मानदेय का भुगतान, ठिकेदार के द्वारा प्रत्येक माह अंडा की अपूर्ति करना, परियोजना के द्वारा एलपीजी गैस सेलेण्डर की आपूर्ति, यथाशिघ्र पुरे मानदेय का भुगतान, गर्मी में केन्द्र का संचालन 01अप्रैल से मॉर्निंग करने के साथ ही गर्मी छुट्टी की अवधि 25 दिनों का करना और 25 दिनों का कच्चा पोषाहार वितरण करना है। आदि शामिल है।बैठक में सुनैना देवी, राज देवी,

सफीना खातून्, बेबी देवी, जैनब परवीन, प्रभा देवी, कंचन देवी, सफींदो निशा, प्रियंका कुमारी, वीणा देवी, अनिता देवी, कौशल्य देवी, पूर्णिमा देवी, तीमूल निशा, सीता देवी ,जीव देवी, रेखा देवी, सरिता देवी, पिंकी देवी, सुचिता देवी, विमला देवी, पार्वती देवी, सुलेखा देवी, रेहाना खातून्,सरिता देवी, शीला उरांव, जहां आधार, कुंती देवी, सिरस खातून् व सुशीला देवी उपस्थित थीं।



एक

नजर में

जेइड मेन्स में एडिशन पब्लिक स्कूल, टाटीझरिया के छात्रों का शानदार प्रदर्शन



टाटीझरिया। एडिशन पब्लिक स्कूल, टाटीझरिया के छात्रों ने जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कक्षा 12वीं के छात्रों ने बेहतरीन अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सुमित कुमार ने 98.7834 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि आर्यन राज ने 82.031 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान पीयूष कुमार सोनी को 79.210 प्रतिशत अंकों के साथ मिला। वहीं, राजनंदनी ने 79.697 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चौथा स्थान और उत्कर्ष ऋषि ने 66.030 प्रतिशत अंक हासिल कर पांचवां स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुधा कुमारी ने छात्रों की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम न केवल छात्रों और उनके परिवारों के प्रयासों का नतीजा है, बल्कि शिक्षकों और पूरे विद्यालय परिवार की मेहनत का भी प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एडिशन पब्लिक स्कूल हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत रहा है। विद्यालय द्वारा समय-समय पर छात्रों के बौद्धिक, सांस्कृतिक और मानसिक विकास के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। प्रधानाचार्या ने आशा जताई कि आने वाले समय में भी विद्यालय के छात्र इसी प्रकार अपनी सफलता का परचम लहराते रहेंगे। विद्यालय परिवार और क्षेत्रवासियों ने इन छात्रों की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बरकाकला पंचायत सचिवालय में दुबारा चोरी

इचाक। बेखौफ चोरों ने एक बार फिर बरकाकला पंचायत सचिवालय को अपना निशाना बनाते हुए 12 फरवरी की रात बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गुरुवार सुबह, जब स्थानीय लोगों ने सचिवालय के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा, तो इसकी सूचना पंचायत मुखिया सिकंदर कुमार राम को दी। मुखिया ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और इचाक थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर पंचायत सचिवालय में प्रवेश किया। इसके बाद, रोजगार सेवक कक्ष, प्रज्ञा केंद्र, और मुखिया कक्ष के चार अलग-अलग ताले तोड़कर सामान चुरा ले गए। चोरी गए सामानों में एक बैटरी, इनवर्टर, डेस्कटॉप, प्रिंटर और अन्य कई जरूरी उपकरण शामिल हैं। मुखिया ने अपनी शिकायत में यह भी जिक्र किया कि 4 जनवरी को भी इसी सचिवालय में चोरी की घटना हुई थी। हालांकि, पुलिस ने अब तक उस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बरकाकला पंचायत सचिवालय के अलावा, चोरों ने 8 अगस्त और 8 फरवरी को चंपानगर-नवाडीह पंचायत सचिवालय में भी इसी तरह ताले तोड़कर जरूरी उपकरण और दस्तावेज चुरा लिए थे। अब 12 फरवरी को तीसरी घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुखिया के आवेदन के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि चोरों की तलाश में सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, अभी तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। इन चोरी की घटनाओं ने न केवल पंचायत सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पुलिस की निष्क्रियता ने ग्रामीणों को भी चिंता में डाल दिया है। स्थानीय लोग पुलिस से त्वरित और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बच्चों को शिक्षित करें : रोशन लाल चौधरी



बड़कागांव। संत शिरोमणि रैदास जयंती के अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों में श्रद्धा और उल्लास के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम में स्थानीय विधायक रोशनलाल चौधरी ने संत रैदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विधायक चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि संत रैदास ने समाज को समानता, एकता और परिश्रम का अमूल्य संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं न केवल उनके समय में प्रासंगिक थीं, बल्कि आज भी हमें जीवन में सही मार्गदर्शन देती हैं। उन्होंने कहा कि संत रैदास ने जाति-पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर एक ऐसे समाज की परिकल्पना की थी, जहां सभी को समान हटि से देखा जाए। विधायक ने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने संत रैदास की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और समाज में भाईचारे व सद्भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। जयंती के अवसर पर प्रखंड के कई गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां स्थानीय लोगों ने संत रैदास की शिक्षाओं को याद कर उनकी विचारधारा को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, युवाओं और बच्चों ने भी बद्ध-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा। संत रैदास जयंती का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बना और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया।

बड़कागांव में लगा भूमि संबंधी विशेष शिविर

बड़कागांव। सरकार के निर्देशन एवं हजारीबाग जिला प्रशासन के नेतृत्व में जिले के सभी अंचल में भूमि संबंधित निवारण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसी आलोक में बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में अंचलाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में दालखिल नामांतरण शुद्धि पत्र वितरण सह लगान रसीद निर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 30 दिन से अधिक बिना आपत्ति के लंबित 36 मामलों का निष्पादन करते हुए कुल स्वीकृत 61 वादों की स्वीकृति दी गई। साथ ही 108 रकबा 20 पैसा का लगान वसूली की गई। शिविर को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी ने कहा कि सरकार के निर्देशन एवं जिला प्रशासन के नेतृत्व में इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व में जमा किए गए मामलों को निष्पादन करते हुए शुद्धि पत्र वितरण एवं लगान रसीद निर्गत की जा रही है। साथ ही साथ कई आवेदन भी लिए जा रहे हैं जिसका निष्पादन समय अवधि के बाद की जाएगी। अंचलाधिकारी ने आगे कहा कि प्रखंड क्षेत्र में बहुत अधिक विवादित मामले आते हैं जिसकी जांच पड़तालकरने की आवश्यकता है। सबसे अधिक विवादित मामले कंपनी के पोषक क्षेत्र से आ रहे हैं।





कुछ इश्क किया कुछ काम किया

रविशंकर

वो लोग बहुत खुशकिस्मत थे,
जो इश्क को काम समझते थे
या काम से आशिकी करते थे
हम जीते जी मसरूफ रहे
कुछ इश्क किया कुछ काम किया
काम इश्क के आड़े आता रहा
और इश्क से काम उलझता रहा
और फिर तंग आकर
हमने दोनों को अधूरा ही छोड़ दिया..

फेज की यह रचना कुछ इश्क किया कुछ काम किया वेलेंटाइन डे पर अनायास ही याद आती है । जिंदगी की जद्दोजहद, रोजमर्रा की भागदौड़ और दुनिया को बेहतर बनाने के सपने में अपना सपना कब टूट कर चकनाचूर हो गया पता ही नहीं चला । बड़े खुशानसीब हैं वह लोग जिनका पहला प्यार ही उनके जीवन के सफर में हमसफर बनकर मंजिल तक साथ रहा । कुछ लोगों का पहला प्यार बीच सफर में ही अपना दामन छुड़ा कर अपनी राह बदल लेता है, और फिर जब प्यार जिंदगी को इस दौराहे पर लाकर खड़ा कर दे तो अच्छा हो कि उस सफर को उसी मोड़ पर छोड़ कर अपनी राह बदल कर अपनी मंजिल की तलाश कर ली जाये। यह कहते हुए की- जुस्तजू जिसकी थी उसको तो ना पाया हमने....।

खैर ! कमोबेश यही हाल हर दो दिनों से होकर गुजरती रही है । फिर भी हर रोज, हर पल, हर कहीं दो दिल मिल रहे हैं चुपके-चुपके ही सही । दरअसल प्रेम का रंग जितना ही निराला है उतना ही निराला इसे प्रकट करने का तरीका भी है । चाहे तो प्रेमी-प्रेमिकाओं से पूछ लीजिए या मरहम कवियों-शायरों को सुन लीजिए। दिल के साथ दर्द जरूर जुड़ा मिलेगा, लेकिन सुकून भी यहीं दिखलाई पड़ता है । अज्ञेय कहते हैं कि मैंने आहुति बनकर देख लिया यह प्रेम यज्ञ की च्वाला है । वहीं दिनकर प्रेम में प्रस्फुटित होने वाले एहसास का जिक्र इन शब्दों में करते नजर आते हैं - मन खोया-खोया, आंखें कुछ भरी-भरी रहती है, भीगी पुतली में कोई तस्वीर खड़ी रहती है । दुर्ध्वत ने तो प्रेम की अनंत गहराई को इस रूप में प्रकट किया है-तू रेल सी गुजरती है तो मैं पुल सा थरथराता हूं । इसके इतर कृष्ण के प्रेम में दीवानी मीरा, राम के वियोग में तड़पती सीता, लैला-मजनू, हीर-राज्ञा, शीरी-फरहाद और ना जाने कितने ही अपने-अपने कालखंड में प्रेम की अमर गाथा रची । जिसे आज भी याद किया जाता है । फिर भारतीय सभ्यता और संस्कृति की दुहाई देकर क्यों इस प्रेम उत्सव में खलल डालने की जोर आजमाइश की जाती है। पिछले कुछ वर्षों से वेलेंटाइन डे के शुरू होते ही इसके विरोध के स्वर भी सुनाई पड़ने शुरू हो जाते हैं । कभी इसे पाश्चात्य संस्कृति का धोतक बताया जाता है तो कभी इस दिन को मातृ पितृ पूजन दिवस मनाने की वकालत की जाती है। इन्दिनों देशभक्ति की बयार जोर-शोर से बह रही है । ऐसे में भला वेलेंटाइन डे को इससे कैसे अछूता छोड़ा जा सकता है । इसीलिए इतिहासबोध से शून्य लोगों ने एक नया शगूना छोड़ा कि 14 फरवरी को ही भगत सिंह और उनके साथियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। देशवासियों को यह दिन याद नहीं । कुत्सित मानसिकता वाले लोगों का यह प्रचारात्मक अभियान दरअसल शहीदों को याद करने का नहीं, बल्कि लोगों में पनप रहे प्रेम की जागृत भावना को रोकना है । हकीकत यह है कि भगत सिंह के केस का ट्रायल ही 05 मई 1930 में शुरू हुआ था । 07 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा का ऐलान हुआ और 23 मार्च 1931 को फांसी दे दी गई । गोएबल्स शैली के इस झूठ का पदाफाश किया जाना जरूरी है । न सिर्फ शहीद ए आजम भगत सिंह की विचारधारा की रक्षा के लिए बल्कि इतिहासबोध की रक्षा के लिए भी । ताकि तरुणों में पनप रहे प्रेम की विचारधारा जिंदा रह सके । प्रेम के सहारे ही हम बेहतर दुनिया बनाने का सपना साकार कर सकते हैं । प्रेम ही समाज में मूल्यों की स्थापना करता है । इसलिए जरूरी है हममें, तुममें, सबमें प्रेम की असंख्य-अद्वित्य धारा बहती रहे । जैसे इसी माह बरसंत में जो पुराना है सब झड़ जाता है, प्रकृति फिर से नया श्रृंगार करती है, टेसू के दिलों में फिर से अंगारे दहक उठते हैं, सरसों के फूल फिर से झूम कर किसानो के गीत गाने लगते हैं, कोयल की कुहू-कुहू की आवाज भवनों के प्राणों को उड़ेलित करने लगती है और प्रकृति की मादकता नई अंगड़ाईयों के साथ गुंजने लगती है । ऐसे ही वेलेंटाइन डे जवां दिलों की धड़कनों में प्रकृति के साथ अठखेलियां करती रहे । प्यार दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास है, और इसी प्यार से हर दुनिया खूबसूरत बनाई जा सकती है ।



वेलेंटाइन्स डे और सेंट वेलेंटाइन कहानी इतिहास में एक गहरे प्रेम रहस्य की तरह डूबा हुआ है । वेलेंटाइन को लेकर अलग अलग कहानियां प्रचलित हैं । पहली कहानी के मुताबिक, कैथोलिक चर्च वेलेंटाइन्स नामित तीन अलग-अलग संतों का जक्रि करता है, जिन्होंने सत्य और धर्म के नाम पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। एक पौराणिक कथा के अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी के दौरान वेलेंटाइन एक पुजारी थे, जिन्होंने

धर्म के लिए निस्वार्थ सेवा की। उस समय सम्राट क्लॉडिअस द्वितीय ने एक अजीब फैसला लिया। क्लॉडिअस का मानना था कि शादी करने वाले परिवार, सेना के लिए काबिल नहीं हो सकते और इस वजह से उन्होंने विवाह को गैर-कानूनी घोषित कर दिया। वेलेंटाइन से यह अन्याय देखा नहीं गया, इसलिए उन्होंने गुप्त रूप से युवा प्रेमियों की शादी करवाना शुरू कर दिया। जब वेलेंटाइन के क्रिया-कलापों का खुलासा हुआ, तो



वेलेंटाइन्स डे प्यार की अनुभूति और अभिव्यक्ति का दिन

प्यार की भाषा समझें

हम इंसानों के पास अलग अलग प्यार की लैंग्वेज (भाषाएँ) होती है जिसे हर कोई नही समझ सकता और अगर हर किसी की समझ में आ जाए तो शायद हमारे सम्बन्धो में कभी कोई तकरार न हो। आज हम बात करेंगे ऐसी ही कुछ भाषाओ का जिसे समझ कर आप अपने सम्बन्धो को और भी मजबूत कर सकते है फिर वो सम्बन्ध अपने पार्टनर के साथ हो, मम्मी पापा के साथ हो, या फिर दोस्त के साथ हो. और यकीन मानिए ये लैंग्वेज (भाषाएँ) आपके करीबी लोगों को और भी करीब ला देगी।

शब्दों की भाषा

कई लोगों के प्यार जताने का तरीका अलग होता है जैसे वो अपने साथी का पूरा ख्याल रखते है हर छोटी बड़ी चीज में उनका साथ देते है, घर में खाना बनाने में हेल्प करते है, बाज़ार से सब्जी लाने में हेल्प करते है आदि लेकिन वो कभी बोलते नही की वो अपने साथी से कितना प्यार करते है और किस हद तक करते है यानि इन सब चीजों के साथ साथ शब्दों में अपने प्यार को जाहिर करना भी जरूरी है।

पूरी तरह से समय देना

इसका मतलब है की जब हम अपने साथी या परिवार के साथ हो तो पूरी तरह से उनके साथ रहे। उनकी बातों में रुचि रखे। ऑफिस या काम से जुडी बातें कम करे। इसे हम एक उदहारण से



समझ सकते है आजकल के नौजवानो की बड़ी समस्या है की वो पाने परिवार के साथ समय नही बिताते तो कही न कही उनके आपसी प्यार में कमी आ जाती है। या फिर एक व्यक्ति अपने ऑफिस में टाइम जायवा बिताता है और अपनी पत्नी और बच्चो को टाइम नही दे पाता। और इस बात पर उस व्यक्ति का तर्क होता है की ये सब अपने परिवार के लिए ही तो कर रहा हूँ लेकिन इन सब के साथ साथ उस सम्बन्ध को मजबूत करने के लिए उसे अपने परिवार, अपनी पत्नी और अपने बच्चो के साथ समय बिताना बहुत जरूरी है।

काम में मदद करना

अपने साथी या करीबी लोगो का हर काम में साथ देना भी प्यार की एक लैंग्वेज (भाषा) है ये जरूरी नही की सिर्फ शब्दों के जरिये प्यार का इजहार करे। उदहारण के लिए, अपने साथी को बस ये बोलते रहना की मैं तुमसे कितना प्यार करता/करती हूँ। मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता/सकती हूँ शायद ये शब्द काफी नही है क्या पता कि आपके साथी की भाषा अलग हो और वो चाहती हो की आप उसका खाना बनाने में साथ दे। इसलिए आप उनको भाषा में ही बात करें। इससे आपका सम्बन्ध और भी मजबूत होगा.

तोहफा

ये प्यार की एक मीठी भाषा है क्योंकि गिफ्ट हर किसी को पसंद होते है। अब यहाँ पर सवाल ये है की कैसा तोहफा दे ? तो हम बता दे की तोहफा महंगा हो या सस्ता उससे फर्क नही पड़ता। फर्क आपकी सोच से पड़ता है यानि जब आप गिफ्ट खरीदने जायेंगे तो जिसे गिफ्ट देना है उसके हिसाब से सोचना होगा कि ऐसा क्या गिफ्ट हो सकता है जो आपके बजट में हो और जिसे देख कर आपका साथी भी खुश हो जाए।

प्रेम के लिए जान देने वाले संत वेलेंटाइन

क्लॉडिअस ने उन्हें मौत के घाट उतरवा दिया। बाद में प्रेमियों को आपस में मिलवाने वाले इस महान संत की याद में हर साल वेलेंटाइन्स डे मनाया जाने लगा। क्लॉडियस ने 14 फरवरी सन 269 को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया था, तब से उनकी याद में यह दिन मनाया जाता है। दूसरी कहानी के अनुसार वेलेंटाइन उन ईसाई कैदियों की मदद कर रहे थे, जो रोमन के कठोर जेलों में प्रताड़ित हो रहे थे। इस कार्य के लिए उन्हें मौत के घाट भी उतार दिया गया था। इस बीच वेलेंटाइन को जेलर की बेटी से प्यार हो गया था। मान्यता के अनुसार संभवतः तभी वेलेंटाइन ने पहला 'वेलेंटाइन ग्रीटिंग कार्ड' उस लड़की को दिया था। जिसे पाकर लड़की ने वेलेंटाइन का प्यार स्वीकार कर लिया था। संत वेलेंटाइन ने मरने से पहले राजा के मुख्य जेलर को एक चिट्ठी लिखी और मरने के बाद अपनी आँखें उसकी अंधी बेटी को देने की बात कही। इसके बाद से वेलेंटाइन की याद में यह प्यार का दिन मनाया जाने लगा। कहा जाता है की मरने से पहले वेलेंटाइन रोजाना उस लड़की को एक पत्र लिखी करते थे, जिसके अंत में यह लिखा

रहता था झ 'फ्रॉम योर वेलेंटाइन' जो आज भी प्रचलन में है। हालांकि वेलेंटाइन्स के पीछे कई कहानियां हैं। और सारी कहानियां कहीं न कहीं, वेलेंटाइन के रोमांटिक व्यक्तित्व को दर्शाती हैं। कालांतर में यह दिन प्रेम के इजहार का दिन बन गया। संत वेलेंटाइन की याद में हर लड़की या लड़की अपने प्रेमी या प्रेमिका को कुछ उपहार देकर खुशियों की कामना करता है । संत वेलेंटाइन की याद में इसे मनाया जाता है। कहते है अगर इस दिन कोई लड़का किसी लड़की को प्रोपोज करे तो वो मना नहीं करती है। इस दिन प्रेमी पति पत्नी एक दुसरे को गिफ्ट देते है। प्यार का ये दिन उन सभी के साथ मनाने का है जिससे हम प्रेम करते है, चाहें वो मम्मी पापा भाई बहन दोस्त ही क्यों ना हो। वैसे प्यार को सेलिब्रेट करने के लिए किसी खास मौके की जरूरत नहीं पड़ती, जब चाहें लोग इसे मनाते है, लेकिन यह खास दिन उन सभी लोगों के लिए है, जो अपनी भाग दौड़ वाली ज़िन्दगी में अपने प्रियजनों को बताना भूल जाते है कि वो उनसे कितना प्यार करते है। प्रेमी जोड़े को एक दुसरे का वेलेंटाइन कहा जाता है ।



एक ओर रांची स्मार्ट सिटी की चमचमाती सड़क तो दूसरी ओर नयासराय में उखड़ी बर्बाद सड़क । तस्वीर: छायाकार समीर की

रिश्तों को जीवंत बनाएं प्रेम के अहसास से



वेलेंटाइन डे : प्रेम की सेलिब्रेशन का ग्लोबल उत्सव

बासंती बयार के बीच प्रेम का खुमार माहौल में चहूँ और पसरा है। जिसे युवा वेलेंटाइन डे के तौर पर सेलिब्रेट कर रहे हैं। बेशक प्यार की कोई परिभाषा देना असंभव सी बात हो लेकिन यह अनंत रहस्य महसूस तो होता है। जो प्रेम में हो उसे बाहर सबकुछ प्रेममय लगता है। कहा भी गया है कि प्रेम जिंदगी है, हालांकि निभाना बड़ी चुनौती है। इन दिनों सर्दियां गुलाबी हो चुकी हैं। सूरज की चटकीली किरणें धरती पर चमक रही हैं। धुंध छंट चुकी है। इस तरह मौसम में एक खुशनुमा खुमारी छाने लगी है। यह खुमार युवा दिलों में प्रेम की चाह बढ़ाती है। बढ़े भी क्यों ना ? आखिर इसी महीने प्रेम के दो बड़े उत्सव जो आते हैं। एक हमारे ठेट देसी संस्कारों से निकला बसंतोत्सव और दूसरा पश्चिम से आयातित वेलेंटाइन डे। दरअसल, वेलेंटाइन डे को हमने जाने-अनजाने अपने वसंतोत्सव में शामिल कर लिया है। प्रेम की सेलिब्रेशन का यह अवसर आज एक ग्लोबल उत्सव बन चुका है।

सवाल जितना सहज है इसका जवाब उतना ही जटिल। क्योंकि प्यार को एक या दो लाइन में परिभाषित नहीं किया जा सकता। ढाई अक्षर का छोटा सा शब्द प्रेम अपने आप में महाकाव्य है। इसे शब्दों में बर्ण कर पाने का प्रयास वैसा ही है जैसे पानी को मुट्ठी में कैद रखने का। टैगोर कहते हैं- ह्रप्रेम एक अनंत रहस्य है, क्योंकि कोई भी अन्य चीज इसकी व्याख्या नहीं कर सकती। यह कहा जा सकता है कि इसकी व्याख्या कठिन है मगर महसूस करना सहज। प्यार की भावना को समझना हो तो प्रेम में पड़े अपने दिल से पूछिए उसका हाल। वह बिना कुछ कहे आपको प्यार की बारीकी समझा देगा।

दुनिया में सबसे खूबसूरत है प्यार

जब आप प्रेम में होते हैं और ओस की हर बूंद, पेड़ का हर पत्ता और धरती का हर कण जान लेता है कि आप प्रेम में हैं। सरसराती हवाओ का झोंका बता देता है कि आपका हृदय प्रेम से भरा हुआ है। दिन-रात खूबसूरत हो जाते हैं। किसी की बात बुरी नहीं लगती। आपके भीतर का प्रेम बाहर छलक कर सबकुछ प्रेममय कर रहा होता है। धरती, आकाश और दिशाओं में आपके प्रेम का

कोरस यानी समूह गान बजता है। बस आप हंसते-मुस्कराते हैं। जिंदगी को जीने की, खुश रहने की वजह मिल जाती है।

प्रेम असीमित है

प्रेम जब होता है बस होता है- अनंत, अनादि और अनहद। ये दुनिया कायम है क्योंकि अब भी दिल प्रेम में धड़कते हैं। प्यार में अद्भुत शक्ति होती है। प्यार के वशीभूत होकर लोग ह्रमैं और ह्रतुमह्ल को भूलकर प्रेममय लगता है। कहा भी गया है कि प्रेम जिंदगी है, हालांकि निभाना बड़ी चुनौती है। इन दिनों सर्दियां गुलाबी हो चुकी हैं। सूरज की चटकीली किरणें धरती पर चमक रही हैं। धुंध छंट चुकी है। इस तरह मौसम में एक खुशनुमा खुमारी छाने लगी है। यह खुमार युवा दिलों में प्रेम की चाह बढ़ाती है। बढ़े भी क्यों ना ? आखिर इसी महीने प्रेम के दो बड़े उत्सव जो आते हैं। एक हमारे ठेट देसी संस्कारों से निकला बसंतोत्सव और दूसरा पश्चिम से आयातित वेलेंटाइन डे। दरअसल, वेलेंटाइन डे को हमने जाने-अनजाने अपने वसंतोत्सव में शामिल कर लिया है। प्रेम की सेलिब्रेशन का यह अवसर आज एक ग्लोबल उत्सव बन चुका है।

प्यार जिंदगी है

किसी ने कहा है- हम सबसे अधिक जीवित तब होते हैं जब प्यार में होते हैं। प्यार हमें मांजता है। निखारता है। हमारे नैसर्गिक गुणों को परिष्कृत करता है। हमें देह से मनुष्य बनाने में इस प्रेम का बड़ा हाथ होता है। मनुष्य इसीलिए तो मनुष्य है कि उसके भीतर प्रेम की भावनाएं हैं। प्रेम विहीन हृदय अमातुषी है। जब कोई प्रेम में होता है तो उसके भीतर के सकारात्मक गुण हजार गुना बढ़ जाते हैं। इसलिए प्रेम कितने ही भटकों को सही राह दिखा जाता है। खूंखार आचरण वाले इंसान के भीतर कोमलता जगा जाता है। पत्थर दिल भी प्रेम की आंच से पिघल कर रूई के फाहे के समान मुलायम बन जाते हैं। इसलिए तो कहा गया है प्यार में बड़ी ताकत होती है। इस ताकत का इस्तेमाल खुद को बनाने में कीजिए। प्यार के आदान-प्रदान से आप अपने भीतर के इंसान को खूबसूरत बना सकते हैं।

मुश्किल है प्यार की उगार

कहा यह भी जाता है कि प्यार के रास्ते बड़ी मुश्किलों से भरे हुए होते हैं या यूँ कहिये कि ह्रये इश्क नहीं आसं इतना ही समझ लीजे, इक आग का दरिया है और डूब के जाना है। ह्र पर देखिए हजारों साल से लोग इश्क के दरिया में कूदते रहे हैं। प्यार में पड़ते रहे हैं। दुनिया से लड़ते रहे हैं। तमाम पहरों के बावजूद प्रेमी जोड़े मिलते रहे हैं। प्रेम में कालजयी इबारतें लिखी गईं। किस्से बने। और आज तमाम बंदिशों से होता हुआ प्रेम उस मुकाम तक पहुंचने में कामयाब हुआ है जहां बंदिशों की जंजीर कमजोर हुई है। अड़चनें अब भी बहुत हैं मगर रास्ते भी बहुत बनाये जा चुके हैं। अंत में प्रेम के इस खुशनुमा माहौल में प्रेम कर प्रेम के इस उत्सव को और भी सार्थक करें।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...



जमशेदपुर के जुबिली पार्क में यह टुबुरल कलाकृति अग्नि नाम से स्थापित की गयी है। जुबिली पार्क आने वाले पर्यटकों के लिए यह चर्चित सेल्वी प्वाइंट बन गया है। इस कलाकृति को बनाने में टाटा स्टील में उत्पादित स्टील का इस्तेमाल हुआ है।



नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड ने जमशेदपुर एफसी को 0-2 से हराया

जमशेदपुर। आईएसएल मुकाबले में गुरुवार को जमशेदपुर एफसी फर्नश में नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड से भिड़ी। स्थानीय मैदान पर जमशेदपुर को 0-2 से पिछड़ते देख मैच देखने 10 हजार से ज्यादा दर्शक मासूस दिखे। 5 मिनट के अतिरिक्त समय में भी जमशेदपुर की टीम अपने स्थानीय मैदान पर उतरी थी। लेकिन खेल की शुरुआत में ही नॉर्थ ईस्ट ने गोल दाग जमशेदपुर पर दबाव बढ़ा दिया। यूनाइटेड एफसी के मिडफील्डर अलादीन अजारे ने 6वें मिनट में जमशेदपुर के गोलकीपर एलबिनो को चकमा देते हुए गंद गोलपोस्ट में पहुंचा दी।

झामुमो जिला संयोजक मंडली की बैठक संपन्न

जमशेदपुर। गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला संयोजक मंडली पूर्वी सिंहभूम की बैठक जमशेदपुर परिसदन (सर्किट हाउस) में 11 बजे से जिला संयोजक मंडली के प्रमुख बाधराय माडी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कहा कि जिला संयोजक मंडली का अगला बैठक 17 फरवरी को शहीद निर्मल महतो सामुदायिक भवन कदमा में रखा गया है।

विधायक जगत माझी ने सोनुवा में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

सोनुवा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विधायक जगत माझी ने प्रखंड कार्यालय स्थित अपने कक्ष में जनता दरबार आयोजित किया। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीणों ने विधायक से मुलाकात की और समस्याओं से अवगत कराया। जनता दरबार में पेयजल से संबंधित समस्याएं अधिक आयें। सोनापोस पंचायत के चुनिया टोला विकास कॉलोनी की दर्जनों महिलाओं ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन सौंपकर विधायक के समक्ष गंभीर पेयजल संकट को रखा और बस्ती में डीप बोरिंग के माध्यम से संकट से निजात दिलाने की मांग की।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोधेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फ़ोन : ९5708-48433
पिन:-834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

कोडरमा के मरकच्चो में ऑनर किलिंग का मामला आया सामने

हत्या के आरोपी पिता और दो भाई गिरफ्तार

युवक से फोन पर बात करने पर नाराज भाई ने की बहन की हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। जिले के मरकच्चो में ऑनर किलिंग का मामला प्रकाश में आया है, पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए, मृतका के पिता मरकच्चो थाना क्षेत्र के ब्रह्मटोली निवासी मदन पांडेय, बड़ा भाई नीतीश पांडेय और ज्योतिष कुमार पांडेय को गिरफ्तार किया है, साथ ही हत्याकांड में प्रयुक्त साइकिल, बोरा, टांगी और मृतका के सिर के बाल को बरामद



किया है। गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने दी है। एसपी श्री सिंह ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए

बताया कि मरकच्चो थाना क्षेत्र के ब्रह्मटोली में एक नाबालिग लड़की के लापता होने की जानकारी मिली थी, जिसमें नाबालिग के परिजनों द्वारा थाना में दिए आवेदन के

आलोक में बीते 5 फरवरी को कांड संख्या 7/25 में मामला दर्ज किया गया। नाबालिग लड़की की बरामदगी को लेकर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया, गठित टीम के द्वारा लापता नाबालिग की खोजबीन की जा रही थी, इसी बीच बीते 12 फरवरी को पंचखेरो नदी के जमुनिया घाट के किनारे बालू में एक शव गड़ा हुआ बरामद किया गया, जिसकी जांच पड़ताल के दौरान लापता नाबालिग के परिजनों से शव की पहचान करायी गयी परन्तु उनके द्वारा शव को पहचानने से इंकार कर दिया गया। एसपी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में पुलिस द्वारा

लापता लड़की के घर पर नया सेफ्टी टैंक निर्माण कार्य होने पर शक के आधार पर उसके परिजनों ने बार-बार विभिन्न विन्दुओं पर पृछताछ की जा रही थी, जिससे वे उलझते गए और अंत में परिजनों द्वारा लड़की की हत्या कर शव को छिपाने एवं शव को धड़ से अलग करने की बात को स्वीकार किया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर हत्या कर शव को छिपाने के लिए प्रयोग में लाये गए साइकिल, बोरी, टांगी को बरामद किया गया। साथ ही हत्या कर शव को छिपाने के लिए प्रयोग में लाये गए सेफ्टी टैंक की पहचान कर, उससे मृतका के सिर के बाल को भी बरामद किया गया।

मक्का मदीना टूर्स का दूसरा जत्था उमरा के लिए रवाना हुआ



हज के लिए रवाना होते जायदीन।

के मो.मकबूल ने बताया कि सभी तीर्थ यात्रियों का काबा शरीफ के काफी निकट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है एवं उन्हें

भारतीय मूल के खाने की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि 15 दिनों के बाद यह जत्था वापस अपने देश लौट जायेगा।

संसद के भाषणों को मैथिली में अनुवाद की सुविधा सराहनीय है : प्रमोद मिश्रा

खबर मन्त्र व्यूरो

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के एक ऐतिहासिक



जा रही है। इससे पूर्व भी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने मैथिली भाषा को अष्टम अनुसूची में स्थान देने का कार्य किया था इससे यह प्रति्त होता है कि जब-जब केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार होती है मिथिला एवं मैथिली का मान बढ़ता है। ज्ञात हो कि झारखंड में भी जब पूर्व सीएम रघुवर दास के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी तब उन्होंने मैथिली को द्वितीय राजभाषा के रूप में मान्यता दी थी।

■ माको में छाभा तिलका मेमोरियल क्लब का खेल महोत्सव संपन्न, संजीव सरदार रहे मुख्य अतिथि



आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं के लिए खेलों की व्यवस्था की गई। इस दौरान आमड़ा दीपल और ग्लास रेस जैसी पारंपरिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

जा रहा था तभी काफिले में गाड़ियों कि लंबी कतार लगी हुई थीं। इसी दौरान तुकई गांव स्थित स्कूल के समीप आगे जा रही ब्रेजा के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी जिसपर स्विफ्ट डिजायर में चल रहे ज्योति कुमार ने भी ब्रेक लगाई जिसपर उसके पीछे चल रहे बसिया बीडीओ के वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन छत्तीस्रस्त हो गया हैं। वहीं इस दुर्घटना में बीडीओ के वाहन चालक जगपाल कुमार, जेएसएलपीएस के स्वीफ्ट डिजायर कार पूरी तरह क्षतीग्रस्त हो गया हैं। मिली जानकारी के अनुसार मंत्री का काफिला जोलो गांव कि ओर

खबर मन्त्र संवाददाता

बसिया। कृषि सहकारिता एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिकी के बसिया दौरे में जोलो जाने के दौरान मंत्री के काफिले में चल रही तीन गाड़ियां आपस में टकराईं।

इस दुर्घटना में बसिया बीडीओ सुप्रिया भगत बाल बाल बची। दुर्घटना में बीडीओ समेत कुल 5 लोगों को हल्की चोट लगी है जबकि बसिया बीडीओ का टाटा सुमो एवं उससे आगे चल रहे एक स्वीफ्ट डिजायर कार पूरी तरह क्षतीग्रस्त हो गया हैं। मिली जानकारी के अनुसार मंत्री का काफिला जोलो गांव कि ओर

मिले प्रस्ताव से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चैम्बर का माननीय रेल मंत्री से मिलकर यह मांग रखने का प्रयास रंग ला रहा है और कोल्हान में रेलवे पार्ट्स निर्माण की चैम्बर की मांग जल्द पूरी होगी, इसके लिये झारखण्ड सरकार तथा प्रशासन को इस दिशा में समन्वय बनाकर त्वरित कार्यवाही करते हुये आगे बढ़ना चाहिए। झारखण्ड सरकार और प्रशासन के प्रयास से अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो यह कोल्हान समेत पूरे झारखण्ड को विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक अहम कदम साबित इससे बड़ी माज़ा में यहां रोजगार उत्पन्न होगा तथा युवाओं का पलायन रूकेगा। इससे राज्य एवं केंद्र का राजस्व भी बढ़ेगा।

मानद महासचिव मानव केंडिया ने कहा कि यहां की अधिकतर एमएसएमई प्रतिष्ठान दो-तीन बड़ी कंपनियों के अखंड प्रश्शन और उनके द्वारा मिले ऑर्डर पर ही पर ही इनका अस्तित्व अभी तक टिका हुआ है।

ऐसे बड़े सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के जमशेदपुर या इसके आसपास निवेश से ही जमशेदपुर के एमएसएमई प्रतिष्ठानों को एक नई राह और नया बाजार उपलब्ध होगा।

उपाध्यक्ष पुनोत कांक्टिया एवं सचिव बिनोद शर्मा ने कहा कि कोल्हान के साथ झारखंड विकास की ओर अग्रसर हो सिंहभूम चैबर इसके लिये कार्य कर रहा है और आगे भी प्रयासरत रहेगा जिससे जमशेदपुर का विकास और अधिक तेजी से हो सके।

चैम्बर पदाधिकारियों उपाध्यक्ष अनिल मोदी, अधिवक्ता राजीव अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सचिव भरत मकानी, अंशुल रिंगिसिया, बिनोद शर्मा, सुरेश शर्मा लिपु, कोषाध्यक्ष सीए अनिल अग्रवाल रिंगिसिया के अलावा चैम्बर सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुये हर्ष व्यक्त किया है तथा सरकार को जल्द इसकी स्थापना हेतु सुगम मार्ग प्रशस्त करने का आग्रह किया है।

एक नजर में

दूरसंचार समिति की बैठक में 24 मामलों पर विचार

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त के निर्देश पर जिला दूरसंचार समिति की बैठक आयोजित हुई। उप विकास आयुक्त श्री अनिकेत सचान की अध्यक्षता में आहत बैठक में समन्वयक पदाधिकारी द्वारा कुल 24 मामले विचार हेतु प्रस्तुत किये गये। समिति ने सर्वसम्मति से विचार के बाद एक अनापति को स्वीकृत किया तथा बिहार / झारखंड सरकार की भूमि पर बिना पूर्व अनुमति के मोबाइल टावर अधिष्ठापन का आवेदन से कुल आठ आवेदन को रद्द करने का निर्णय लिया। साथ ही पांच मामलों में संबंधित सीओ से जांच रिपोर्ट मांगने का निर्णय लिया गया। शेष 10 आवेदनों में त्रुटि पाये जाने के कारण संबंधित सेवा प्रदायी कंपनी को त्रुटि निराकरण हेतु आवेदन को वापस करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, सिविल सर्जन, बीएसएनएल एवं अन्य सेवा प्रदायी दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधि, विभिन्न अंचल कार्यालय के प्रतिनिधि तथा नगर निगम के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चंद्रशेखर बने करणी सेना के कोल्हान उपाध्यक्ष



जमशेदपुर। गोविंदपुर में राधे श्याम सिंह के नेतृत्व में क्षत्रिय करणी सेना परिवार का विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जहां गोविंदपुर मंडल और जिलास्तरीय पदाधिकारियों की सर्वसहमति से घोषणा की गयी। साथ ही बड़ी संख्या में युवा टीम एवं वरिष्ठ गणमान्य जन भी संगठन में शामिल हुए। सर्वसहमति से चंद्रशेखर सिंह को कोल्हान उपाध्यक्ष, राधे श्याम सिंह, कमलेश सिंह, एस एन सिंह बघेल, यशवंत सिंह और मनोज सिंह को जिला संरक्षक, संजय सिंह को जिला सचिव, मधु सिंह को गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष, मनोकामना सिंह, रवींद्र सिंह और अरुण समदर्शी को गोविंदपुर मंडल संरक्षक,अजय सिंह को कार्यकारी मंडल अध्यक्ष,उदय सिंह को गोविंदपुर मंडल महामंत्री, मनोज सिंह को टेलको मंडल अध्यक्ष बनाया गया। मौके पर मौजूद झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बिनय सिंह, जिलाध्यक्ष संजय सिंह और युवा जिलाध्यक्ष मोहित सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीगण को नियुक्ति पत्र देकर संगठन में स्वागत और शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत और समाज को एकत्रित करने के लिए कहा। संचालन आशीष सिंह, कृष सिंह, रोहित सिंह व अन्य ने किया।

साउथ प्वाइंट स्कूल के 6 छात्र जेईई मेंस में सफल



जमशेदपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने जेईई (ज्वाइंट इंजीनियरिंग एग्जामिनेशन) मेंस की मेधा सूची जारी कर दी है। जेईई मेंस परीक्षा में साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा के कुल छह विद्यार्थियों ने जिसमें अरिजीत मंडल -99.65, साहिल जुनेजा 91.73, नुर फातमा -95.97, विवेक वर्णवाल, 98.29, प्रत्युष 91.4, यश 85 हासिल कर स्कूल को गौरवान्वित किया। विद्यालय के चेयरमैन शिव प्रकाश शर्मा, डायरेक्टर शिवम शर्मा, प्राचार्य अरुण कुमार सिंह ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दी। बच्चों की सफलता से विद्यालय के सभी शिक्षक - शिक्षिकाएं और परिवार के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

विधायक सरयू राय ने दिया व्हील चेयर

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने गुरुवार को अपने बिष्टुपुर स्थित आवास/ कार्यालय पर डिमना बस्ती की तफासुम पटकीत को उनके सुपुत्र फारुक अंसारी के लिए व्हील चेयर भेंट किया। फारुक के दोनों पैरों की एंडियों की हड्डियां घिस गई हैं। वह चल नहीं पाते। उनकी मां ने व्हील चेयर प्राप्त किया। विधायक सरयू राय ने उम्मीद जतायी कि अब फारुक को मुवमेंट करने में थोड़ी सहूलियत होगी। मौके पर आफताब सिद्दिकी, नीरज सिंह, वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मंत्री को कांग्रेसियों ने सौंपा झापन

बसिया। कांग्रेस कमिटी बसिया के सदस्यों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बसिया दौरे पर आई कृषि सहकारिता सह पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिकी को एक तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा हैं। जिसमें कहा गया कि हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान हैं लेकिन कृषि में पिछड़ा होने के कारण प्रमण्डल स्तर पर यहां कृषि मेले का आयोजन किया जाना चाहिए। ताकि यहां के किसान भी जागरूक ओर लाभान्वित हो सके। बसिया में पोलटेक्निक भवन बन कर तैयार हैं। परन्तु यहां पठन पाठन का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ हैं। जिसे शुरू कराने कि पहल हो ताकि क्षेत्र के छात्र लाभान्वित हो सके। बसिया कोयल नदी पर नए पुल के निर्माण कि दिशा में अग्रसर कारवाई कि जाय। मांग पत्र सौंपने वालों में चैतू उरांव,विकास साहू, जेडी नायक, गौरी शंकर चौधरी सहित कई कांग्रेसी शामिल थे।





शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर का निधन

मुंबई । जाने-माने हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर कारेकर का मुंबई में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। कारेकर के परिवार ने बताया कि गायक पिछले कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने शिवाजी पार्क इलाके में स्थित अपने आवास में बुधवार रात अंतिम सांस ली। गोवा में जन्मे कारेकर ने बोलावा विठ्ठल पहावा विठ्ठल और वक्रतुंड महाकाय को अपनी सुरीली आवाज में गाया। वह एक उत्कृष्ट गायक और एक बहुत अच्छे शिक्षक थे। वह आकाशवाणी और दूरदर्शन के एक ग्रेडेड कलाकार थे। उन्हें तानसेन सम्मान, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और गोमंत विभूषण पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से नवाजा गया। कारेकर ने ऑर्गेट कोलमैन और सुल्तान खान के साथ पयुजन संगीत में भी हाथ आजमाया था। उनके तीन बेटे हैं।

पद्मश्री लोक गायिका बोंम्मागोड़ा नहीं रहीं कारवार। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध लोक गायिका सुकरी बोंम्मागोड़ा का गुरुवार तड़के अंकोला तालुक के बडिगेरी स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थीं। गायिका को कर्नाटक की आदिवासी संगीत परंपराओं में योगदान के लिए जाना जाता है और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं।

पुणे में जीबीएस से एक और की मौत

मुंबई। खडकवासला में गुलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) पीड़ित एक और मरीज की मौत हो गई है। जीबीएस से राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। राज्य के विभिन्न अस्पतालों में से 54 मरीज आईसीयू में इलाज करा रहे हैं, जबकि 20 वेंटिलेटर पर हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि खडकवासला क्षेत्रवासी 59 वर्षीय व्यक्ति की जीबीएस से मौत हो गई है। इस मरीज को 10 फरवरी को इलाज के लिए नवले अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आकांक्षी जिलों की रैंकिंग में औरंगाबाद बिहार में अक्ल औरंगाबाद। नीति आयोग की ओर से जारी ताजा आकलन में औरंगाबाद जिले ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत बिहार में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए नीति आयोग ने औरंगाबाद जिले को दस करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन दिया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बिहार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर औरंगाबाद की इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री को सम्मानित करने और उन्हें बेहतर सेवा प्रविष्टि देने की अनुशंसा की है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जिलों का मूल्यांकन स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन जैसे मानकों पर किया जाता है।

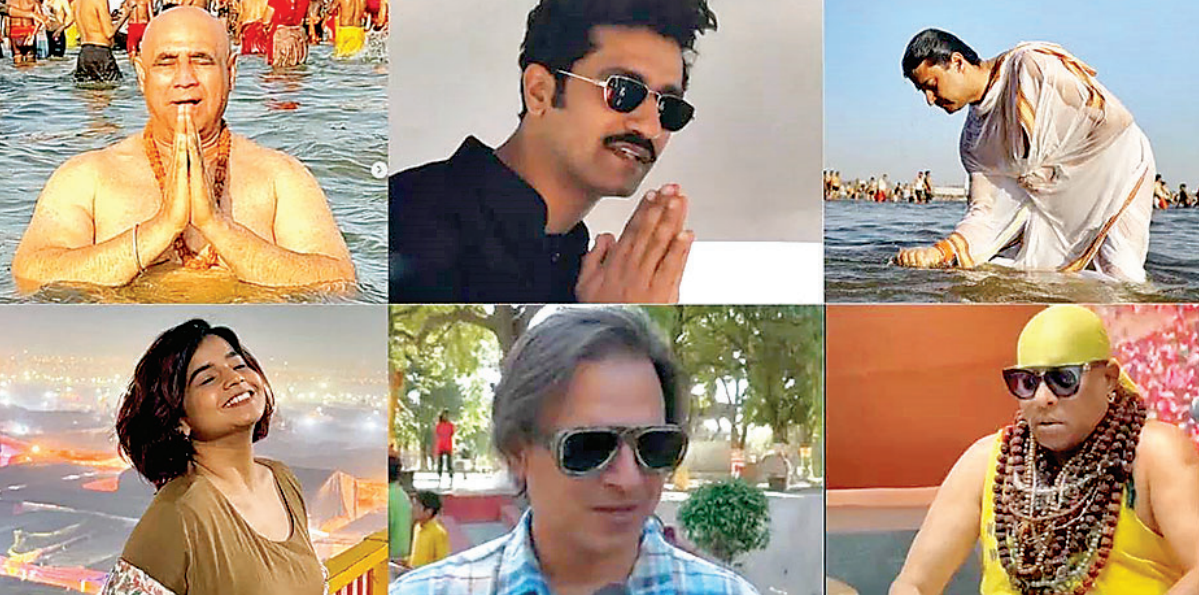
आचार्य सत्येंद्र दास को दी गयी जल समाधि अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के पार्थिव शरीर को गुरुवार को सरयू नदी में जल समाधि दी गई। पुजारी की अंतिम यात्रा उनके रामघाट स्थित सत्यगोपाल धाम मंदिर से गाजे-बाजे संग निकाली गई। जो रामनगरी के मार्गों से होते हुए सरयू नदी के किनारे शमशान घाट पहुंची। जहां पुजारी सत्येंद्र दास को सरयू में जल समाधि दी गई। राम मंदिर गेट से लेकर हनुमानगढ़ी, लता मंगेशकर चौक तक अंतिम यात्रा निकाली गयी, जिसमें अयोध्यावासियों के साथ साधु संत के अलावा मंत्री सतीश शर्मा, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जगतगुरु रामानंदचार्य स्वामी रामदिनेशचार्य, पूर्व सांसद रामविलास दास वेदांती, श्रीमहंत धर्मदास, महंत गौरीशंकर दास, नाका हनुमानगढ़ी महंत रामदास, अयोध्या विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, महंत रामवेश दास वेदांती, महंत भूषण दास, महंत जयराम दास, महंत माधवदास, महंत रामकरन दास व अन्य उपस्थित थे

ओबराय व विक्की और सिंधिया ने संगम में लगायी डुबकी

एजेंसी

महाकुम्भनगर। गंगा-यमुना-सरस्वती का पवित्र त्रिवेणी संगम महाकुम्भ के दौरान न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए धरती के सबसे बड़े केंद्र के तौर पर उभरा है। महाकुम्भ में यूं तो हर दिन ही कोई न कोई प्रख्यात शक्तिस्थल संगम पर डुबकी लगाकर खुद को धन्य मानती रही हैं, मगर गुरुवार का दिन कई मायनों में विशिष्ट रहा। इस दिन फिल्म जगत के बड़े कलाकार विवेक ओबराय व विक्की कौशल ने संगम में डुबकी लगाई। साथ ही महाराष्ट्र की फायरब्रांड नेत्री और पूर्व एक्ट्रेस नवनीत राणा ने भी संगम में स्नान किया। इससे पूर्व, प्रसिद्ध ड्रमर शिवमणि, महाभारत में दुर्योधन का कैरेक्टर प्ले करने वाले पुनीत इस्सर व फेमस मेंटलिस्ट सुहानी शाह समेत कई कलाकार महाकुम्भ के महाआयोजन का हिस्सा बनकर खुद को धन्य माना। केंद्रीय मंत्री

महाकुंभ में फिल्मी सितारों का जमघट, योगी हुये मुरीद



ज्योतिराजे सिंधिया ने भी किया स्नान। शुक्रवार को शिवाजी महाराज के पुत्र सम्भाजी महाराज की जीवनी पर आधारित फिल्म

छावा की रिलीज के पहले गुरुवार को एक्टर विक्की कौशल ने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचकर संगम में पवित्र डुबकी लगाई और फिल्म

की सफलता की कामना की। विक्की कौशल गुरुवार को दोपहर अरैल घाट से क़ूज़ में सवार होकर संगम स्थल गए, जहां उन्होंने पवित्र

डुबकी लगाई। उन्होंने मीडिया को दिए संक्षिप्त इंटरव्यू में महाकुम्भ का हिस्सा बनने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि

बिहार में गांव की 11251 सड़कें होंगी चकाचक

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार के सभी जिलों की ग्रामीण सड़कों की सूरत करीब 17 हजार करोड़ रुपये से संवारी जाएगी। राशि से इन सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन किया जाएगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में ग्रामीण सड़कों के उन्नयन की योजना स्वीकृत की गई। आज की बैठक में कुल 51 प्रस्ताव पारित किए गए।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि मंत्रिमंडल ने आज की बैठक में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत 37 जिलों की ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत 19,867 किलो मीटर की लंबाई में सात वर्षों के लिए सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत होगा सुदृढ़ीकरण

कैबिनेट का फैसला

► **इन पथों की कुल लंबाई 19867 किमी, सर्वाधिक सड़कें गया जिले की**
► **17 हजार 286 करोड़ रुपये से दुरुस्त होंगी गांव की सड़कें**

प्रबंधन होगा। सभी जिलों को मिलाकर योजना के दायरे में आए पथों की संख्या 11,251 है। इन सड़कों के लिए कुल 17,266 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि खगड़िया जिले की ग्रामीण सड़कों के उन्नयन का प्रस्ताव पूर्व की मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत किया जा चुका है।

अकेले खगड़िया जिले में सड़कों की कुल संख्या 170 है। जिनके लिए 156.58 करोड़ रुपये से खर्च होंगे।

इमामगंज सलैया सड़क का होगा चौड़ीकरण

गया। बिहार-झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र इमामगंज सलैया सड़क मार्ग के आसपास रहने वाले 100 से अधिक गांव के लोगों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बड़ी सौगात देकर गए हैं। इमामगंज सलैया सड़क मार्ग की लंबाई करीब 25 किलोमीटर है, जो बिहार के गया को झारखंड के चतरा और पलामू जिले से जोड़ने का काम करती है। वहीं, लोगों की परेशानी को देखते हुए नीतीश कुमार गुरुवार को प्रगति यात्रा के दौरान इमामगंज पहुंचे और समस्या का निदान करते हुए इमामगंज सलैया सड़क मार्ग के चौड़ीकरण की घोषणा की। चौड़ीकरण होने से बिहार और झारखंड की 2 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही यह मार्ग बनने से आवागमन भी सुलभ और सरल हो जाएगा। बेफिक्र होकर लोग इमामगंज सलैया मार्ग पर चलेंगे।

शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व मिलेगी पोशाक की राशि: मंत्रिमंडल ने आज की बैठक में यह प्रस्ताव स्वीकृत किया है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सत्र प्रारंभ होने के पूर्व पोशाक की राशि दे दी जाएगी। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बालिका-बालक पोशाक

योजना, बिहार शताब्दी मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को पोशाक के लिए राशि दी जाती है। अब शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अप्रैल महोने में ही पोशाक की राशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। योजना के दायरे में प्रारंभिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समेत अन्य विद्यार्थी आएंगे।

भारतीय मूल के कपूर को ट्रंप ने सौंपी अहम जिम्मेवारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के प्रमुख राजनयिक के रूप में नामित किया है। भारतीय मूल के पॉल कपूर इस समय यूनाइटेड स्टेट्स नेवल पोस्ट ग्रेजुएट स्कूल के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के विभाग में प्रोफेसर हैं। विक्सन सेंटर में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा है कि दक्षिण एशियाई सुरक्षा के विद्वान पॉल कपूर को राष्ट्रपति ट्रंप ने डोनाल्ड लू की जगह लेने के लिए नामित किया है। कपूर अमेरिका-भारत साझेदारी के प्रबल समर्थक और पाकिस्तान के कठोर आलोचक हैं। अगर सीनेट से मंजूरी मिल

अमेरिका के राष्ट्रपति ने पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के प्रमुख राजनयिक के रूप में नामित किया

जाती है तो वह डोनाल्ड लू की जगह लेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने जनवरी में पुष्टि की थी कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू का कार्यकाल 17 जनवरी, 2025 को समाप्त हो गया है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का ब्यूरो अमेरिका की विदेश नीति के अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश,



भूटान, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान से जुड़े मामलों को देखता है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2020-21 के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग के नीति नियोजन कर्मचारी के रूप में सेवाएं दीं। इस विभाग में कपूर दक्षिण और मध्य एशिया, हिंद-प्रशांत रणनीति और अमेरिका-भारत संबंधों से जुड़े मामलों पर काम कर चुके हैं। वह 'इंडिया, पाकिस्तान एंड द बम: डिबैटिंग 'न्यूक्लियर स्टैबिलिटी इन साउथ एशिया' के सह लेखक और 'द चैलेंज ऑफ न्यूक्लियर सिक्योरिटी: यूएस एंड इंडियन पर्सपेक्टिव्स' के सह संपादक भी हैं।

लगातार सातवें दिन गिरा शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रख के बीच स्थानीय स्तर पर अडानी पोर्ट्स, इंफोसिस, टीसीएस और एसबीआई समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार लगातार सातवें दिन गिरावट पर रहा। निवेशकों की निगाहें देर रात वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मीटिंग पर हैं और इसमें होने वाले निर्णयों का असर शुक्रवार को बाजार में देखने को मिल सकता है।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसंकेस 32.11 अंक उतकर 76,138.97 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 13.85 अंक फिसलकर 23,031.40 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मछली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रख रहा, जिससे बीएसई का

सेंसेक्स 32 और निफ्टी 16 अंक फिसला



मिडकैप 0.07 प्रतिशत बढ़कर 40,788.11 अंक पर पहुंच गया जबकि स्मॉलकैप 0.43 प्रतिशत गिरकर 46,933.69 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई में कुल 4074 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2089 में गिरावट जबकि 1858 में तेजी रही वहीं 127 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 27 कंपनियों में बिकवाली जबकि 23

में लिवाली हुई। बीएसई के 11 समूहों का रूझान नकारात्मक रहा। इससे सीडी 0.06, ऊर्जा 0.30, एफएमसीजी 0.66, इंडस्ट्रियल्स 0.16, आईटी 0.93, ऑटो 0.33, बैंकिंग 0.12, कंप्यूटर ड्यूरेबल्स 0.44, तेल एवं गैस 0.34, टेक 0.64 और फोकरूड आईटी समूह के शेयर 0.98 प्रतिशत लुढ़क गए। वहीं, हेल्थकेयर 0.50, दूरसंचार 0.25, धातु 1.26 और रियल्टी

ट्रंप-मोदी की बैठक पर निवेशकों की निगाहें

ये हैं टॉप गेनर्स और लूजर्स सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स थे। इन्फोसिस, टीसीएस, एसबीआई, टाइटन, नेस्ले, एचडीएल टेक, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और आईसीआईसीआई टॉप लूजर्स थे।

समूह के शेयर 0.72 प्रतिशत चढ़ गए। वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 1.22 और जापान का निक्केई 1.28 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं ब्रिटेन का एफटीएसई 0.81, हांगकांग का हैंगसेंग 0.20 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.42 प्रतिशत गिर गया।

अमेरिका से इस सप्ताह 180 और अवैध भारतीय प्रवासियों की होगी वापसी

वाशिंगटन। अमेरिका जल्द ही दूसरे चरण में 170 से 180 भारतीय प्रवासियों को देश से निर्वासित (डिपोर्ट) करने जा रहा है। यह कदम उन प्रवासियों के खिलाफ उठाया गया है, जो अवैध रूप से डंकी रूट्स या अन्य गैरकानूनी तरीकों से अमेरिका पहुंचे थे और पिछले एक से तीन वर्षों से वहां रह रहे थे। हालांकि अभी तक किसी भारतीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन अमेरिकी प्रशासनिक सूरों के मुताबिक, इस सप्ताह के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है। पहले 104 भारतीय प्रवासियों को अमेरिका से वापस भेजा गया था, जो अमुत्सर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे थे। हालांकि, दूसरे चरण में यह प्रवासी कहां उतरेंगे अभी इस बारे में जानकारी नहीं है। इन भारतीयों की वापसी उस समय हो रही है जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर हैं। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

नवनीत राणा, शिवमणि व पुनीत समेत कई सितारों ने किया स्नान

इससे पूर्व महाराष्ट्र की फायरब्रांड नेता नवनीत राणा ने भी पवित्र संगम में स्नान कर इस अवसर को सनातन के लिए सकारात्मक क्षण बताया। स्थानीय प्रशासन और योगी सरकार की तारीफ की। साथ ही कहा कि सबसे ज्यादा महाकुम्भ में युवा पीढ़ी स्नान करने आ रही है जो सनातन की गहरी जड़ों और उज्ज्वल भविष्य का द्योतक है। इसके साथ ही, परमार्थ निकेतन के ही महाकुम्भ स्थित शिविर में फेमस ड्रमर शिवमणि ने भी मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत की उपस्थिति देकर समां बांध दिया। उनसे पूर्व बीआर चोपड़ा कृत महाभारत में दुर्योधन के कैरेक्टर के लिए फेमस हुए एक्टर पुनीत इस्सर व फेमस मेंटलिस्ट सुहानी शाह भी आस्था के महाकुम्भ का साक्षात्कार कर चुके हैं। पिछले दो दिनों में पंकज त्रिपाठी व सुनील शेट्टी जैसे दिग्गजों समेत कई कलाकार महाकुम्भ में डुबकी लगाकर खुद को धन्य बता चुके हैं।

वह कई दिन से इस अवसर की प्रतीक्षा में थे और आज जाकर उनकी यह इच्छा पूरी हो सकी। उन्होंने सीएम योगी और स्थानीय प्रशासन द्वारा महाकुम्भ के आयोजन और व्यवस्थाओं को लेकर भी हर्ष जताते हुए इसे असाधारण करार दिया। गुरुवार को ही एक्टर विवेक ओबराय भी

परमार्थ निकेतन के शिविर में पहुंचे और सपरिवार उन्होंने संगम में डुबकी लगाते हुए इस पूरे अनुभव को अभूतपूर्व करार दिया। उन्होंने कहा कि पूरा वातावरण आध्यात्मिक उन्नति और शांति से ओतप्रोत है। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सीएम योगी की उन्होंने जमकर तारीफ की।



बिहार के गया में प्रगति यात्रा के दौरान सीएम नीतीश कुमार का स्वागत करती महिलाएं।

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में विस चुनाव लड़ेगी भाजपा

जिलों का दौरा कर रहे हैं मुख्यमंत्री

साफ कर दिया है कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। पहले नीतीश कुमार ने आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी, लेकिन बाद में वह भाजपा के साथ आ गए। वर्तमान में, राजद की विपक्ष में है।

नीतीश कुमार ने बिहार में यात्रा शुरू की है। वह राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं, जहां वे विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। वह विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं।

संकट में ओली सरकार

काठमांडू। ओली सरकार के अध्यादेश का विरोध करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन दल के नेताओं ने अब सरकार छोड़ने तक की चेतावनी दे दी है।ओली सरकार का समर्थन कर रहे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (लोसपा), जनमत पार्टी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने सरकार पर भूमि संबंधी अध्यादेश को वापस लेने के लिए दबाव बना दिया है। तीन सहयोगी दलों की इस धमकी के बाद सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार को बाहर से समर्थन कर रहे जनता समाजवादी पार्टी ने अध्यादेश के

नेपाल में अध्यादेश को लेकर तीन सहयोगी दलों ने दी सरकार छोड़ने की चेतावनी विरोध में मतदान करने का फैसला लेने के बाद अब चौबीस घंटे के भीतर सरकार छोड़ने तक की चेतावनी दे दी है। ओली सरकार का समर्थन कर रहे लोसपा ने बाकायदा बयान जारी करके इस अध्यादेश के विरोध में मतदान करने की बात कही है। लोसपा के अध्यक्ष महंथ ठाकुर ने पार्टी से मंत्री को किसी भी समय पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार रहने को कहा है।

